सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 228 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 1 जून 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

आखिरी चरण में 2 बजे तक लगभग 40 प्रतिशत वोटिंग, मतदान के दौरान झड़प, ईवीएम को पानी में फेंका

कोलकाता (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के लिए आज मतदान जारी है। इस आखिरी चरण में 2 बजे तक लगभग 40 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी है। वहीं कुछ स्थानों में मतदान लेकर हिंसक झड़प की खबर सामने आ रही है। इस चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत 904 उम्मीदवार मैदान में हैं। पीएम मोदी के लावा अंतिम चरण में कंगना रनौत, रवि किशन, अनुराग ठाकुर, अभिषेक बनर्जी, अफ्ज़ाल अंसारी, मनीष तिवारी, रविशंकर प्रसाद जैसे उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। एक जून को मतदान के बाद होने वाले एग्जिट पोल पर सबकी निगाहें होंगी।

पश्चिम बंगाल में सातवें और अंतिम चरण की वोटिंग के दौरान कई जगहों से झड़प की खबरें सामने आ रही हैं। जयनगर लोकसभा सीट के कुलटाली में वोट देने जाने से रोके जाने पर नाराज ग्रामीणों ने मतदान केंद्र से ईवीएम ले जाकर तालाब में फेंक दिया। यह घटना कुलतली के मेरीगंज नंबर 2 जोन के बूथ नंबर 40 और 41 में हुई। इस बीच घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, हालांकि टीम को रास्ते में ही रोक लिया गया।

आरोप है कि बीच सड़क पर पेड़ की टहनियां फेंककर पुलिस की गाड़ी रोक दी गई। भाजपा प्रत्याशी अशोक कंडारी ने आरोप लगाया कि तृणमूल विपक्षी एजेंटों को बैठने नहीं दे रही है। उन्होंने चुनाव आयोग और केंद्रीय बलों पर भी उंगली उठाई।

सुबह 7 बजे से मतदान शुरू होना था, लेकिन मेरीगंज जोन 2 के बूथ 40 और 41 पर मतदान बाधित हो गया। बाद में वैकल्पिक ईवीएम लाकर वहां वोटिंग शुरू की गई। गौरतलब है कि पंचायत चुनाव में राज्य के कई जगहों पर ऐसा नजारा देखने को मिला था। वहां मतपेटी को पानी में फेंक दिया गया था।

बीजेपी प्रत्याशी ने मीडिया से कहा, ''गांव की महिलाएं बूथ नंबर 40 और 41 पर एजेंटों को बैठने से रोकने पर इकट्ठा हो गईं। उनके क्लेम एजेंटों को बैठने की अनुमति दी जाए। लेकिन सत्ता पक्ष ने रोक दिया। वे एजेंटों को बैठने नहीं देना चाहते। इसलिए सभी महिलाओं ने एकजुट होकर ईवीएम को पानी में फेंक दिया।'

भाजपा-कांग्रेस के दिग्गजों की अटकी साँसें

अधर में अटके राजनीतिक भाग्य ने बढ़ाई चिंता, 7 सीटों पर 9 दिग्गजों का होगा फैसला

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। सातवें और अंतिम चरण का मतदान आज शाम खत्म होने के बाद एग्जिट पोल के नतीजे आने शुरू हो जाएंगे, लेकिन इससे पहले ही भाजपा व कांग्रेस के कई दिग्गजों की सांसे अटकी पड़ी है। छत्तीसगढ़ की बात करें तो यहां भाजपा के 4 तो कांग्रेस के 5 दिग्गज नेताओं का भाग्य 4 जून की मतगणना से तय होगा। इनमें भाजपा के 2 निवृत्तमान सांसद, प्रदेश सरकार के एक कद्दावर मंत्री के अलावा पार्टी की पूर्व सांसद और राष्ट्रीय नेत्री शामिल है। वहीं कांग्रेस की बात करें तो उसके एक पूर्व मुख्यमंत्री, एक निवृत्तमान सांसद के साथ ही पूर्ववर्ती सरकार के तीन केबिनेट मंत्री भी हैं।

छत्तीसगढ़ में तीन दौर का मतदान खत्म होने के बाद कई सीटें नतीजों के मकड़जाल में फंसकर रह गई है। इससे भाजपा और कांग्रेस दोनों समान रूप से चिंतित है। कांग्रेस ने 2019 के चुनाव में जो दो सीटें जीती थी, वे दोनों सीटों कड़ी टक्कर में फंसकर कसमसा रही हैं। ये सीटें हैं बस्तर और कोरबा। कुछ ऐसा ही हाल भाजपा के साथ भी है। उसकी पिछली जीती हुई राजनांदगांव, कांकेर और जांजगीर चाम्पा सीटों पर बराबरी और टक्कर का मुकाबला है। हालात यह है कि जीत के दावों के बीच दोनों दल इन सीटों को कठिन मानकर चल रहे हैं। पिछले चुनाव में बस्तर सीट पर कांग्रेस के दीपक बैज ने जीत हासिल की थी, जिनका टिकट काटकर इस बार पूर्वमंत्री और कद्दावर नेता कवासी लखमा को दिया। क्योंकि दीपक बैज पीसीसी के अध्यक्ष हैं, इसलिए इस सीट पर उनकी भी प्रतिष्ठा सीधे तौर पर जुड़ी हुई है। हालांकि यह भी चर्चा सुर्खियों में रही थी कि कुछ महीनों पहले हुए विधानसभा चुनाव के दौरान लखमा ने बैज को सहयोग नहीं किया था, इसलिए इस बार बैज ने भी लखमा का साथ नहीं दिया। हालांकि यह सिर्फ चर्चा में ही रहा। कांग्रेस की दूसरी सीट कोरबा है, जहां से पार्टी ने निवृत्तमान सांसद ज्योत्सना महंत को रिपीट किया है। भाजपा ने यहां से तेजतर्रार नेत्री सरोज पाण्डेय को उतारा। दोनों ही दलों के लिए यह सीट असमंजस का विषय है। यहां स्थानीय और बाहरी का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया गया, हालांकि इसका बहुत ज्यादा प्रभाव मतदान पर नहीं हुआ। कोरबा सीट पर लीड हासिल करने के लिए भाजपा ने खूब जोर लगाया है। जानकारों का कहना है कि भाजपा प्रत्याशी को यहां स्थानीय कार्यकर्ताओं का साथ कम ही मिल पाया। बावजूद इसके मुकाबला कांटे का है।

भाजपा के 4 दिग्गजों में 3 फँसे

भाजपा ने अपने प्रत्याशियों का निर्धारण उनके चेहरों की बजाए पीएम मोदी के चेहरे को सामने रखकर किया। शायद यही वजह है कि इस चुनाव में पार्टी के ज्यादातर चेहरे नए थे, या पहली बार चुनाव में उतरे। कांकेर से भोजराज नाग, बस्तर से महेश कश्यप, महासमुंद से रूपकुमारी चौधरी, बिलासपुर से तोखन साहू तो जांजगीर चाम्पा से कमलेश जांगड़े, रायगढ़ से राधेश्याम राठिया तो सरगुजा से पूर्व कांग्रेसी चिंतामणि महाराज को प्रत्याशी बनाया गया। इन चेहरों के सामने कांग्रेस ने बेहतर रणनीति और जातीय व सामाजिक समीकरणों को देखते हुए प्रत्याशी तय किए। नतीजा यह हुआ कि ज्यादातर सीटों पर कड़ा मुकाबला हुआ। हालांकि भाजपा ने इस चुनाव में रायपुर सीट से बृजमोहन अग्रवाल, दुर्ग सीट से निवृत्तमान सांसद विजय बघेल, कोरबा से सरोज पाण्डेय तो राजनांदगांव से निवृत्तमान सांसद संतोष पाण्डेय जैसे धाकड़ नेताओं को टिकट दी। कहा जा रहा है कि इनमें से सिर्फ रायपुर की सीट पर भाजपा दमदारी से जीत का दावा कर सकती है। इसके अलावा दुर्ग सीट पर पार्टी के जीत की गुंजाइश है। जबकि कोरबा व राजनांदगांव की सीट मंझधार में फंसी हुई है।

किसके साथ रहा साहू समाज?

इस लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 1 तो कांग्रेस ने 2 साहू प्रत्याशियों को उतारा। बिलासपुर की सामान्य सीट से तोखन साहू भाजपा के प्रत्याशी बने तो महासमुंद से ताम्रध्वज साहू और दुर्ग से राजेन्द्र साहू ने बतौर कांग्रेस प्रत्याशी चुनाव लड़ा। लेकिन पूरे चुनाव के दौरान यह सवाल अपनी जगह कायम रहा कि आखिर छत्तीसगढ़ के साहुओं ने किस पार्टी का साथ दिया? दरअसल, माना जाता रहा है कि साहू समाज प्रारम्भ से ही भाजपा के साथ रहा, लेकिन 2018 के विधानसभा चुनाव में इस समाज ने कांग्रेस का साथ इसलिए दिया क्योंकि समाज के अग्रणी नेता ताम्रध्वज साहू मैदान में थे और उनके प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने की संभावना ज्यादा थी। छत्तीसगढ़ में साहू समाज की जनसंख्या सर्वाधिक है और इस समाज के एकमुश्त वोट नतीजों को प्रभावित करते हैं। यही वजह रही कि साहू समाज के वोटों को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जाते रहे। लेकिन इस बार समाज ने किसी राजनीतिक दल की बजाए साहू प्रत्याशियों के पक्ष में काम किया। बिलासपुर में इस समाज की बाहुल्यता है। वहीं दुर्ग में यह समाज अग्रणी है। यही स्थिति महासमुंद में भी है। माना जाता है कि इन सीटों पर साहू समाज के लोगों ने साहू प्रत्याशी के पक्ष में ही मतदान किया। बावजूद इसके राजनीतिक विश्लेषक महासमुंद और दुर्ग की सीटों पर एकराय नहीं हैं। बिरनपुर कांड ने ताम्रध्वज की सामाजिक स्थिति को प्रभावित किया तो वहीं दुर्ग सीट पर राजेन्द्र साहू को कमजोर माना गया है। यही वजह है कि साहू समाज के समर्थन के बावजूद इन दोनों साहू प्रत्याशियों की धुकधुकी बढ़ी हुई है।

कांग्रेस के 5 प्रत्याशियों की बढ़ी चिंता

कांग्रेस के 5 नामचीन नेताओं ने इस बार लोकसभा का चुनाव लड़ा। इनमें राजनांदगांव से पूर्व सीएम भूपेश बघेल, उनकी केबिनेट में मंत्री रहे ताम्रध्वज साहू, कवासी लखमा और डॉ. शिवकुमार डहरिया के साथ ही निवृत्तमान सांसद ज्योत्सना महंत शामिल हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भले ही इन सीटों पर दोनों पार्टियों के प्रत्याशियों में कड़ा मुकाबला हो, लेकिन इनमें से कम से कम 4 सीटों पर कांग्रेस के लिए अच्छी संभावनाएं हैं। ये सीटें है राजनांदगांव, कोरबा, जांजगीर चाम्पा और बस्तर। वहीं पिछली बार कांकेर सीट पर कम वोटों के अंतर से हारे बिरेश ठाकुर की स्थिति भी बेहतर मानी गई है। शायद यही वजह है कि कांग्रेस के नेता मतदान के बाद से ही लगातार 4 से 5 सीटें जीतने का दावा कर रहे हैं। भले ही राजनीतिक विश्लेषक कुछ भी कहें, लेकिन हकीकत यह है कि नतीजों को लेकर कांग्रेस के इन दिग्गज नेताओं की सांसें भी अटकी हुई है। इनमें से भूपेश बघेल और कवासी लखमा वर्तमान में विधायक हैं, इसलिए उनके राजनीतिक भविष्य पर कोई आंच आने की संभावना नहीं है। लेकिन सबसे ज्यादा चिंता का विषय महासमुंद सीट से चुनाव लड़े ताम्रध्वज साहू व जांजगीर चाम्पा से लड़े डॉ. शिवकुमार डहरिया के लिए है। दोनों पिछला विधानसभा चुनाव हार गए थे। बावजूद इसके पार्टी ने उन्हें संसदीय चुनाव में उतारा।

भिलाई के ट्रक चालक सहित 3 की जांजगीर में मौत, लू से मौत की आशंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ में तपती गर्मी के कारण जांजगीर-चांपा जिले में तीन वाहन चालकों की मौत हो गई। इसमें भिलाई के खुर्सीपार क्षेत्र का एक वाहन चालक भी शामिल है। तीनों वाहन चालकों की मौत अलग अलग थाना क्षेत्रों में हुई है। सभी की मौत का कारण लू लगना बताया जा रहा है। सभी के शवों को पीएम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण पता चल पाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार खुर्सीपार भिलाई निवासी अमरीका सिंह (63) गाड़ी लेकर गया था। शुक्रवार की दोपहर 2 से 3 बजे चांपा थाना क्षेत्र के पीआईएल रोड के किनारे होटल में रुके हुए थे। यहां अमरीका सिंह की अचानक तबियत बिगड़ गई और उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद इसकी सूचना उनके परिजनों को दी गई। इसी प्रकार ट्रक का हेल्पर युवक धुरकी झारखड़ निवासी शंभू कोरवा (29) को भी अचानक उल्टी हो लगी। उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई।

इसके अलावा शिवारीनारायण थाना क्षेत्र में ट्रक चालक निवासी जमशेदपुर (झारखंड) जगपाल सिंह अपने साथियों के साथ पांच ट्रकों को लेकर जमशेदपुर से हैदराबाद जा रहे थे। तेज गर्मी के कारण सभी एक जगह पर रुके हुए थे। इस दौरान जगपाल सिंह की तबियत बिगड़ी और बेहोश होकर गिर पड़ा। जिसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने जांच उपरांत मृत घोषित कर दिया। उक्त तीनों की मौत का कारण तेज गर्मी और लू को बताया जा रहा है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पता चल पाएगा।

घरेलू विवाद: खुद पर डीजल डालकर शख्स ने लगा ली आग, 75 फीसदी झुलसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र में शनिवार की सुबह एक शख्स ने खुद को जला लिया। शख्स ने अपने शरीर पर डीजल डाला और आग लगा ली। जब तक परिवार वाले आग बुझाते शख्स लगभग 75 फीसदी झुलस गया। झुलसे शख्स को सुपेला लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल लाया गया जहां गंभीर स्थिति के देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार जामुल के विश्वकर्मा चौक निवासी नरेंद्र पाण्डेय (65) ने आज सुबह खुद पर डीजल डालकर आग लगा लिया। घटना के बाद नरेन्द्र पाण्डेय की बहू माधूरी पाण्डेय ने आसपास के लोगों को बुलाया। आग बुझाने के बाद उन्हें लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला लेकर पहुंचे। लगभग 75 फीसदी झुलसने के कारण काफी गंभीर अवस्था में उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

घर पहुंचे और लगा ली आग

माधूरी ने बताया कि शनिवार की सुबह 9 बजे अचानक उसके ससुर नरेन्द्र पाण्डेय घर पहुंचे और फ्रिज खोलकर देखने लगे। फ्रिज में मौजूद सामान देखने के बाद इधर उधर घूमने लगे। कुछ देर में माधूरी पाण्डेय घर में झाड़ू लगाने अंदर चली गई। इधर अचानक उसके ससुर नरेन्द्र पाण्डेय ने खुद पर डीजल डाला और आग लगा ली। यह देख बहू की चीख निकल गई। आनन फानन में आसपास के लोगों को आवाज दी तो लोगों ने आग बुझाया और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। कुछ देर पर 108 एंबुलेंस पहुंचा और झुलसे नरेन्द्र पाण्डेय को सुपेला शास्त्री अस्पताल लाया गया और वहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल नरेन्द्र पाण्डेय की हालत गंभीर बनी हुई है।

बहू के साथ थी अनबन

इस पूरी घटना को लेकर नरेंद्र पाण्डेय की बहू माधुरी पाण्डेय ने बताया कि बीते कुछ दिनों से उसकी सास-ससुर से अनबन चल रही थी। माधुरी पाण्डेय ने बताया कि उनके पति का देहांत हो गया था। इसके बाद उसने अपने देवर से शादी कर ली। इसी बात को लेकर ससुर से रोज झगड़ा होते रहता था। माधूरी ने बताया कि इस मामले को लेकर उसने पुलिस से सहायता भी ली थी। एक महीने के वार्निंग के बाद अलग-अलग रहने की बात हुई लेकिन पिछले 6 से 7 दिनों से माधुरी के सास-ससुर घर से बाहर थे।

बेमेतरा ब्लास्ट: कंपनी का बड़ा ऐलान, एक मृतक व 8 लापता लोगों के परिजनों को मिलेंगे 35-35 लाख

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के बेरला थाना क्षेत्र के तहत ग्राम बोरसी पिरदा में सप्ताह भर पहले हुए बारूद फैक्ट्री ब्लास्ट के बाद प्रभावित परिवार मुआवजे के लिए डटे हुए हैं। पिछले चार दिनों से यहां उचित मुआवजे की मांग के लिए धरना दिया जा रहा है। इस हादसे में एक की मौत हो गई और आठ मजदूर लापता हैं जिनका कुछ पता नहीं चल पाया है। इसबीच शुक्रवार को स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड कंपनी ने बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने एक मृतक व 8 लापता लोगों के परिजनों को 35-35 लाख रुपए देने का ऐलान किया है।

बता दें बीते 25 मई शनिवार की सुबह 7.50 बजे स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड कंपनी के फैक्टरी में ब्लास्ट हो गया था। घटना में एक की मौत, सात घायल और आठ लोग लापता हैं। कंपनी के बाहर ग्रामीण व परिजनों का धरना प्रदर्शन कर रहे थे। इन लोगों की मांग है कि मृतक व लापता लोगों के परिजनों को 50-50 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए। शाम के समय कंपनी के पदाधिकारी व ग्रामीणों के बीच चर्चा हुई।

जानकारी के अनुसार अब कंपनी की ओर से एक मृतक व 8 लापता हुए लोगों के परिवार को 35-35 लाख रुपए दिया जाएगा। इसके अलावा घायलों का कंपनी की ओर से उपचार कराया जाएगा। साथ ही उन्हे 50-50 हजार रुपए भी दिए जाएंगे। कंपनी के ऐलान के बाद वर्तमान में कंपनी की ओर से प्रति व्यक्ति 35 लाख रुपए व राज्य सरकार की ओर से 5 लाख रुपए मिलेंगे। यानि एक व्यक्ति को 40 लाख रुपए मिलेंगे। मुआवजे ऐलान व चर्चा के बाद ग्रामीणों व परिजनों ने प्रदर्शन खत्म कर दिया है।

पुलिस व परिजनों को है डीएनए रिपोर्ट का इंतजार

हादसे के बाद लापता श्रमिकों को मलबे में खोजने की कोशिश की गई। लेकिन, मलबे से मानव अंग और उनके मांस के लोथड़े पॉलिथीन में इकट्ठा कर बेमेतरा प्रशासन ने रायपुर मेडिकल कॉलेज में डीएनए के लिए भेजा है। अब पुलिस व परिजनों को डीएनए रिपोर्ट का इंतजार है, जिससे कि वे अंतिम संस्कार कर सकें। हालांकि, ग्राम बोरसी में एक परिवार ने लापता हुए व्यक्ति का कुश बनाकर बीते सोमवार को अंतिम संस्कार कर दिया है।

भारत का सोना भारत लौटा पर टाइमिंग जबर्दस्त

श्रीकंचनपथ

जब भी भाजपा और कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व की तुलना की जाती है तो यह बेमेल दिखता है। भाजपा जहां पूरी तरह से एक प्रफेशनल पॉलीटिकल पार्टी की तरह काम करती है वहीं कांग्रेस का ढांचा अब भी दशकों पुराना है। भाजपा का एक कोर ग्रुप है जिसे सैल्यूट करने को मन करता है। बड़ी सफाई से वह प्लानिंग करता है। उसकी टाइमिंग भी जबर्दस्त होती है। पुराने मैचों की तरह हर गेंद पर एक-एक रन दौड़ने की बजाए वह सीधे चौके-छक्के मारने पर यकीन करता है। आज देश में लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कन्याकुमारी स्थित विवेकानन्द स्मारक शिला पर मौन व्रत में हैं। दो-तीन दिन से यही माहौल चल रहा था कि अब ब्रिटेन से 100 टन सोना भारत आने की खबर चल पड़ी। ऐसा रातों-रात नहीं हुआ है। इसके लिए काफी लिखा पढ़ी करनी पड़ी होगी। सोना लाए जाने की खबर कब ब्रेक करनी है, सोना कब भारत पहुंचना है, इसकी पूरी योजना बनानी पड़ी होगी। एक-एक डीटेल पर बारीक नजर रखी गई होगी। इतने शानदार एक्जीक्यूशन के लिए सैल्यूट तो बनता है। अब बात करते हैं तथ्यों की। ब्रिटेन से भारत लाया जा रहा यह सोना भारत का ही है। भारत का कुल स्वर्ण भंडार 822.1 टन का है। इसमें से 408.3 टन सोना मुम्बई और नागपुर में सुरक्षित है। 413.8 टन सोना विदेशों में सुरक्षित है। आपदा या राजनीतिक अस्थिरता के समय यदि आर्थिक स्थिति डगमगाती है तब विदेशों में जमा सोना देश को इस स्थिति से उबार लेता है। पर जो संदेश आम लोगों में गया वह यह था कि भारत ने ब्रिटेन से 100 टन सोना वापस ले लिया। इससे अर्थव्यवस्था को लेकर चल रही अटकलों पर स्वतः विराम लग गया। इसके साथ ही जीएसटी को लेकर सरकार पर हो रहे हमलों की धार भी भोथरी हो गई। भारतीय रिजर्व बैंक को भी सोना वापस लाने के लिए आईजीएसटी में कोई छूट नहीं मिली। देश का मूड और माहौल बदलने के लिए इतना ही काफी था। कांग्रेस ऐसा क्यों नहीं कर पाती, इसकी दो वजहें हैं। एक तो यह कि इस पार्टी में प्रफेशनलिज्म शून्य है। ये विशेषज्ञों की नियुक्ति तो करती है पर उन्हें काम नहीं करने देती। थोड़े ही दिन में वो भी हाजिरी पकाने वाला स्टाफ बन जाता है। छत्तीसगढ़ की ही बात करें तो यहां पिछली सरकार ने एक से बढ़कर एक योजना बनाई पर उनका क्रियान्वयन नहीं करवा पाई। नेताओं, कार्यकर्ताओं से लेकर जनप्रतिनिधि तक सब बैठकबाजी करते रहे। जब पोल खुली तो करने को ज्यादा कुछ नहीं बचा था। एक झटके में सरकार चली गई। दरअसल, योजनाओं के क्रियान्वयन पर किसी की नजर ही नहीं थी। अब थोड़े फेरबदल के साथ उन्हीं योजनाओं को नई सरकार चला रही है। योजनाओं का कोई कॉपीराइट तो होता नहीं। क्रियान्वयन सफल हुआ तो जनता लाभान्वित होगी। और क्या चाहिए?

संपादकीय

भारत आएगा सोना

भारत भूमि पर भारतीय रिजर्व बैंक के खजाने में 100 टन से कुछ ज्यादा स्वर्ण का शामिल होना सुखद और गौरवान्वित करने वाली खबर है। यह सोना भारत का ही है और भारतीय रिजर्व बैंक इस सोने को स्वदेश लाकर अपने विभिन्न खजानों में सुरक्षित कर लेगा। जब सोने के स्वदेश लाए जाने की सूचना है, तब साल 1991 की याद स्वाभाविक है, जब मजबूरी में देश को अपना सोना विदेश भेजना पड़ा था। तब कर्ज का जाल भारी हो गया था, लेकिन आज भारत की अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन कर रही है और कर्ज चुकाना अब समस्या नहीं है। ऐसे में, इतने बड़े पैमाने पर विदेश से सोना लाने की प्रशंसा ही की जा सकती है। मार्च के अंत तक रिजर्वबैंक के पास 822.1 टन सोना था, जिसमें से 413.8 टन विदेश में था। वास्तव में, अपना सोना किसी अन्य देश में रखने को बहुत अच्छा नहीं माना जाता है। रिजर्व बैंक शायद संदेश देना चाहता है कि भारत अब शक्तिशाली है और वह अपने सोने की हिफाजत खुद कर सकता है।

> समय के साथ सोने का भाव बढ़ता ही रहा है, बीस साल पहले जो सोना 6,307 रुपये का था, वही सोना आज 73,390 रुपये का हो गया है। जाहिर है, सोने की मांग नहीं घटने वाली, पर ज्यादा से ज्यादा भारतीयों को अपनी बुद्धि और श्रम से सोना खरीदने में सक्षम होना पड़ेगा, तभी देश के स्वर्ण भंडार की खनक-चमक बढ़ेगी।

भारत का ज्यादातर सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड के पास सुरक्षित है और कुछ सोना विदेश में रखना रणनीतिक रूप से ठीक फैसला है। एक खास बात यह भी है कि भारत चालू वित्त वर्ष में ऐसे चंद देशों में शुमार है, जिन्होंने सोना खरीदा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने कुछ ही महीनों में 27.5 टन सोना खरीदकर अपने स्वर्ण भंडार में जमा किया है। विगत कुछ वर्षों में भारत ने अपनी सुधरती आर्थिक स्थिति और जरूरत के अनुरूप जो सोना खरीदा है, उसका ज्यादातर हिस्सा विदेश में ही रखा गया है। आर्थिक विशेषज्ञ भी यह मानते हैं कि अनुपात से अधिक सोना विदेश में रखना कोई अच्छा फैसला नहीं है। ध्यान देने की बात है कि साल 1991 में जब भारत पर आर्थिक संकट आया था, तब विदेशी बैंक गिरवी रखे जा रहे भारतीय सोने को भारत में ही रहने दे सकते थे, पर तब शायद भारतीय अर्थव्यवस्था से दुनिया के ज्यादातर देशों का विश्वास कुछ डिग गया था। आज अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर हम ब्रिटेन से आगे निकल गए हैं, तो हमें अपनी नीतियों में गरिमा के अनुरूप परिवर्तन करना ही चाहिए। वैसे, भारत की स्थिति अचानक नहीं सुधरी है। लगभग पंद्रह साल पहले भारत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से 200 टन सोना खरीदा था। संकेत साफ है, आर्थिक उदारीकरण की नीति अब रंग ला रही है।

सोने का भंडार किसी देश की आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। जरूरत के समय सोना ही मजबूती देता है या संकट से उबारता है। पहले दुनिया की तमाम अर्थव्यवस्थाएं स्वर्ण मानक को मानती थीं, पर 1970 के दशक में ज्यादातर देशों ने आधिकारिक तौर पर स्वर्ण मानक को छोड़ दिया। फिर भी दुनिया के सभी ताकतवर देशों के पास भारी मात्रा में सोना है। स्वर्ण भंडार के मामले में भारत 822.1 टन के साथ दुनिया में नौवें स्थान पर है और अमेरिका के पास सर्वाधिक 8,133 टन से ज्यादा सोना है। जर्मनी के पास 3,352 टन सोना है। उसके बाद इटली, फ्रांस, रूस, चीन (2,262 टन), स्विट्जरलैंड और जापान का स्थान है। समय के साथ सोने का भाव बढ़ता ही रहा है, बीस साल पहले जो सोना 6,307 रुपये का था, वही सोना आज 73,390 रुपये का हो गया है। जाहिर है, सोने की मांग नहीं घटने वाली, पर ज्यादा से ज्यादा भारतीयों को अपनी बुद्धि और श्रम से सोना खरीदने में सक्षम होना पड़ेगा, तभी देश के स्वर्ण भंडार की खनक-चमक बढ़ेगी।

जिदंगी को कहो हां, नशा को करो ना

हेमेन्द्र क्षीरसागर (पत्रकार, लेखक व स्तंभकार)

दिल पे नशा ये भारी है, सबसे बड़ी बीमारी है। कुछ पल का नशा सारी उम्र की सजा। फिक्रमंदी बैगर अच्छे-अच्छों को नशे का नशा हो जाता है। नशा चीज ही ऐसी है भाई! फिर क्यों नशे का नशा न हो। गुमानी में जिधर देखो ऊधर नशा ही है। रसास्वादन के चस्के से चिपके रहना हर कोई चाहता है। आगोश में दिल का दस्तुर, दौलत का गुरूर, शिरत का शुरूर, ताकत का मगरूर और सुरत का फित्तुर सिर चढकर बोलता। है। बरबस नशाखोरी की मदहोशी में अंगूर की बेटी हल्क में उतर जाए तो समझो सारी दुनिया टल्लियों की मुठ्ठी में। मिला मौका हाथ से क्यों जाने दे, क्योंकि ये कोई दबाने की नहीं बल्कि रौब-रूदबे दिखाने की धधक का प्रदर्शन जो है। साथ बहाना भी बखुब है जनाब! मुझे पीने का शौक नहीं, पीता हूँ गम भुलाने को या मजे लेने को जो कुछ भी कह लिजिए मर्जी अपनी-अपनी। किन्तु खुदगर्जी में यह याद अवश्य रखे कि नशा, शान नहीं वरन् नाश का सबब है।

बदस्तुर, देश में नाबालिगों का नशे के प्रति बढता आकर्षण अंत्यत दुखदायी, चिंताजनक व विनाशकारी है। जिसकी कल्पना मात्र से ही रूहूं कांप जाती है। मामला बहुत पेचीदा है। समस्या देखने में छोटी व सोचने में बडी और निपटारे में तगड़ी है। वजह साफ है लाखों जिंदगियों के साथ घरों के घर बर्बाद होते जा रहे है। इसके कार्य-कारक और जिम्मेदार हम अपने आपको मानते है या नहीं यह यक्ष प्रश्न आज भी निरूत्तर बना हुआ है। आह्लादित फैशन व व्यसन से तरबतर आधुनिक युग में शादी-बरात का शराबी फुहड़ नाच हमारी सामाजिक मान-मर्यादा को जार-जार कर रहा है। बावजूद हम शान से नशे के नशा का बेशर्मी से लुत्फ उठा रहे है। जानते हुए कि नशा स्वंय के साथ परिवार, समाज और पूरे देश को निगल कर तबाह करते जा रहा है बाबजूद नशाखोरी की रनबेरी जोरों से जारी है। गौरतलब हो कि नशे का आगाज आमतौर पर दोस्ती-यारी के कस्में वादों की मजबूरियों की बैशाखी पर कमसिन उम्र अच्छे-बुरे की सोच से बेखबर महफिल की खुशी और मर्दानगी के वास्ते होता है। जो आगे चलकर नासुर लत बनकर आदतन अपराधी बनाने की कब्रगाह बन जाती है। निकला नशीला बारूद नशे की गुलामी में जकड़कर सामाजिक-आर्थिक-मानसिक और शारीरिक तौर पर नशेडी को अपना निवाला बना लेता है। जो अभिमन्यु की तरह चक्रव्यूह में फंसकर आजादी की तमना लिए जमींजोद होकर रह जाता है। बजाए नशा का चलन घटने से शानो-शौकत से बढ़ते ही जा रहा है। अफरा-तफरी में कारगुजारी वाले नशे के कारोबार ने दिनदुनी रात चौगनी तरक्की कर सारी दुनिया में अपना डंका बजा दिया। तभी तो जिसे देखो वह इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट की दुहाई देते नहीं थकता। तरफदारी में एक का दो करने की जुगत में नशीले घातक पदार्थो के अंदर बाहर का खेल चरम पर है।

जहां तक बात है, नशे के रूप की तो सौदागरों ने यहां भी बाजी मारी है। इनके तरकश के तीरों में पुरातन शराब, तम्बाखू, बीडी, सिगरेट, हुक्का, गांजा, अफीम, चरस के साथ ताजातरीन कोकिन, ब्राउन शुगर, हेरोइन, गुटका पाऊच, फेवीक्विक, सोल्युशन, पेट्रोल, नींद-खांसी की दवायें और सर्प विष इत्यादि बेशुमार मादक असला है। उन्माद में नशे की लत जो जारी है ये बहुत ही अत्याचारी है, मेलें लगते है शमशानों में आज इसकी तो कल उसकी बारी है। ऐसे में चारों तरफ है, हां-हां कार बंद नशे का हो बाजार। उम्मीदें हो रही तार-तार और नशा बनते जा रहा है विकराल व्याभिचार, चंगुल में फंस गए बेगुनाह बीमार हजार। अलबत्ता परहेज करने के सरकारों ने तिजोरी भरने खुलेयाम बनाऐ रखे है ठेकेदार। सरोकार, अब अभिशाप बन चुके नशे को नाश करने जिदंगी को हां और नशा को ना हर हाल में कहना ही पड़ेगा। वरना घर बिखरते, बच्चे बिछड़ते, मांग उजड़ते, जहर फैलते, रोगी बनते, सम्मान घटते और भविष्य पिछड़ते देर नहीं लगेगी। बेहतर नशे को छोड़ो, रिश्ते जोड़ो और बीमारी को लताड़ो। तभी हर दिल की अब ये चाहत नशा मुक्त हो मेरा भारत सार्थक होगी।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

अमेरिकी चुनावी दंगल : ट्रंप-बाइडन में फिर दो-दो हाथ

अब जब चुनाव नजदीक आ रहे हैं, तो छह राज्यों- पेंसिल्वेनिया, मिशिगन, विस्कॉन्सिन, एरिजोना, नेवादा और जॉर्जिया पर सबकी नजरें टिक गई हैं, क्योंकि साल 2020 के विजेता का फैसला इन्हीं राज्यों ने किया था और इस वर्ष भी इन्हीं के निर्णायक बनने की उम्मीदें हैं।

फ्रैंक एफ इस्लाम,
अमेरिकी उद्यमी व समाजसेवी

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के आमने-सामने आने के साथ ही यह मुकाबला साल 2020 सरीखा हो गया है। बाइडन बनाम ट्रंप की यह चुनावी जंग करीब-करीब तभी तय मानी जा रही थी, जब नवंबर 2022 में ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की अपनी मंशा जाहिर की और अप्रैल, 2023 में बाइडन ने फिर से मैदान में उतरने का एलान किया। ड्रेमोक्रेटिक पार्टी की तरफसे बाइडन ने यह रास्ता कमोबेश निर्विरोध पूरा किया, जबकि रिपब्लिकन खेमे में प्राइमरी में काफी रस्साकशी हुई, लेकिन शुरू से यह भी साफ था कि रेस ट्रंप ही जीतने वाले हैं, बशर्ते कि वह कोई बड़ी गलती न कर बैठें। रिपब्लिकन के अन्य दावेदार मजबूती से सामने आने के बजाय नेपथ्य से कोशिश करते दिखे। अब जब चुनाव नजदीक आ रहे हैं, तो छह राज्यों- पेंसिल्वेनिया, मिशिगन, विस्कॉन्सिन, एरिजोना, नेवादा और जॉर्जिया पर सबकी नजरें टिक गई हैं, क्योंकि साल 2020 के विजेता का फैसला इन्हीं राज्यों ने किया था और इस वर्ष भी इन्हीं के निर्णायक बनने की उम्मीदें हैं।

हालिया जनमत सर्वेक्षणों से पता चलता है कि इन छह में से पांच राज्यों में ट्रंप आगे चल रहे हैं, पर ये शुरुआती सर्वे हैं। ये सर्वेक्षण इसकी भी मुनादी करते हैं कि अपने समर्थक वर्गों से इतर न तो ट्रंप और न ही बाइडन खासे लोकप्रिय हैं, जिसकी वजह कुछ हद तक उनकी उम्र भी है। बाइडन 81 साल के हो चले हैं, जबकि ट्रंप अगले कुछ हफ्तों में 78 वर्ष के हो जाएंगे। लिहाजा, इन दोनों में से जो भी जीतेगा, वह अमेरिकी इतिहास में सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति साबित होगा। सर्वेक्षणों से यह भी संकेत मिलता है कि अधिकांश मतदाताओं के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा अर्थव्यवस्था है और बाइडन को इस मोर्चे पर कड़ी चुनौती मिल रही है। दरअसल, अपूर्व आर्थिक विकास और रिकॉर्ड रोजगार सृजन के बावजूद महंगाई का लगातार बने रहना उनकी सरकार के लिए बड़ी चुनौती साबित हुई है।

उधर, कई मतदाताओं के लिए चिंता का सबब अमेरिकी लोकतंत्र का भविष्य भी है। ऐसे लोगों का मानना है कि अगर ट्रंप चुने गए, तो वे शासन के लिए निरंकुश नजरिया अपनाएंगे। इस समय बाइडन के लिए सर्वेक्षणों से सबसे अधिक परेशान करने वाला यह खुलासा है कि उनकी सरकार ने रंगभेद से जूझने वाली आबादी, यानी 18 से 35 आयु वर्ग के युवा वोटरों और स्वतंत्र मतदाताओं के हित में बहुत ज्यादा काम नहीं किया। साल 2020 में बाइडन की जीत में ये मतदाता-वर्ग काफी अहम सिद्ध हुए थे। बाइडन के खिलाफएक और मुद्दा इजरायल-गाजा संघर्ष में उनकी नीति है। करीब 40 फीसदी पंजीकृत डेमोक्रेटिक वोटर इस मुद्दे पर सरकार के फैसले का समर्थन नहीं कर रहे।

ट्रंप की मुख्य चुनौतियों में सबसे पहली तो यही है कि 15 से 20 फीसदी रिपब्लिकन मतदाता उनके पक्ष में नहीं दिख रहे। उनकी परेशानी की एक वजह रॉबर्ट एफ केनेडी (जूनियर केनेडी) की संभावित तीसरे पक्ष की उम्मीदवारी भी है। राष्ट्रपति पद के लिए स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में अपने नाम का एलान करने के बाद से केनेडी को अच्छा वोट मिल रहा है। हालांकि, चार आपराधिक मामले भी ट्रंप की राह में मुश्किलें पैदा कर रहे हैं।

जाहिर है, आने वाले हफ्तों में बाइडन और ट्रंप, दोनों अपने मुख्य समर्थक वर्गों को संगठित करने के साथ ही स्वतंत्र मतदाताओं को भी लुभाने का प्रयास करेंगे, जो अक्सर करीबी मुकाबले वाले राज्यों में नतीजा तय करते हैं। इसके लिए बाइडन ने ट्रंप के राष्ट्रपति बनने की सूरत में अमेरिकी लोकतंत्र पर आने वाले खतरे के बारे में विज्ञापन भी चलाना शुरू कर दिया है। आने वाले दिनों में वह गर्भपात जैसे मसलों पर भी मुखर हो सकते हैं, जो कई अमेरिकियों के लिए मायने रखता है। यह भी सुबूत पेश किया जा सकता है कि रिपब्लिकन उनकी तुलना में नेतन्याहू से ज्यादा करीब हैं। ट्रंप अमेरिका को फिर से महान बनाने, 2020 की चुनावी जीत, अपने आपराधिक मामलों को सियासी साजिश बताने, अवैध अप्रवासी मुद्दे को उठा सकते हैं। स्पष्ट है, 2020 के राष्ट्रपति चुनाव की तरह इस बार भी एक करीबी मुकाबले का हम गवाह बनने जा रहे हैं और इसके केंद्र में रहेंगे लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और आव्रजन जैसे मुद्दे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अग्निकांडों ने हर भारतीय का दिल जख्मी किया

ललित गर्ग

गुजरात के राजकोट में एक एम्यूजमेंट पार्क के अंदर गेमिंग जोन में लगी आग की लपटें अभी ठीक से बुझी भी नहीं थीं कि शनिवार देर रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बच्चों के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आग लगने से सात नवजात बच्चों की जान चली गयी। दोनों ही घटनाओं में हताहत होने वालों में ज्यादातर छोटे बच्चे हैं। निश्चित रूप से ये हादसे प्रशासनिक लापरवाही की उपज हैं, यही कारण है कि सिस्टम में खामियों और ऐसी आपदाओं को रोकने में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की निंदा की जा रही है। यह याद रखने योग्य है कि नियमित अंतराल पर मानवीय जिम्मेदारी वाले पहलू की अनदेखी से ऐसी गंभीर घटनाएं होने के बावजूद अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही कम होती नहीं दिख रही है। इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर। 'अग्निकांड' एक ऐसा शब्द है जिसे पढ़ते ही कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं। जीवन का हर पल दुर्घटनाओं का शिकार हो रहा है। दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना हो या सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना-हर स्थिति में मनुष्य जीवन के अस्तित्व एवं अस्मिता पर सन्नाटा पसर रहा है।

इन दोनों मामलों में शुरुआती सूचनाएं ही संदेह का पुख्ता आधार प्रदान कर रही हैं। मसलन, यह बताया गया कि राजकोट के प्राइवेट एम्यूजमेंट पार्क में चल रहे गेमिंग जोन को फायर एनओसी नहीं मिला था। इसके बावजूद यह गेमिंग जोन धड़ल्ले से चल रहा था, बड़ी संख्या में बच्चे यहां महंगे टिकट लेकर आ रहे थे और अगर आग लगने की यह घटना न होती तो पता नहीं कब तक सब कुछ ऐसे ही चलता रहता। ठीक इसी तरह दिल्ली के बेबी केयर सेंटर की आग की घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। एनआईसीयू में वेंटिलेटर पर ही 7 नवजात ने दम तोड़ दिया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि बच्चों को पीछे के रास्ते से बड़ी मुश्किल से निकाला गया। 5 बेड की क्षमता वाले हॉस्पिटल में 12 बच्चों का इलाज हो रहा था। जाहिर है, एक बेड पर दो या तीन बच्चे थे। आग लगने, हॉस्पिटल के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का क्या स्थानीय प्रशासन को अंदाजा नहीं होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं? प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। इन दोनों अग्निकांड़ों में पीड़ितजन तो सहानुभूति के पात्र हैं ही, पर इन घटनाओं के लिए सहानुभूति की पात्र देश की जनता भी है, जो भ्रष्ट, लापरवाह एवं लालची प्रशासनिक चरित्रों को झेल रही है। मनुष्य अपने स्वार्थ और रुपए के लिए इस सीमा तक बेईमान और बदमाश हो जाता है कि हजारों के जीवन और सुरक्षा से खेलता है। दो-चार परिवारों की सुख समृद्धि के लिए अनेक घर-परिवार उजाड़ देता है।

राजकोट हो या राजधानी में प्राइवेट संस्थानों में आग लगना- बेकसूर लोगों के मारे जाने की घटनाएं कोई नई या चौंकाने वाली बात नहीं है। कभी कोई फैक्ट्री इस वजह से सुर्खियों में आती है तो कभी कोचिंग संस्थान। कभी कोई अस्पताल तो कभी एम्यूजमेंट पार्क। घटना के बाद पता चलता है कि वे संस्थान तमाम कानूनी प्रक्रियाओं को ताक पर रखते हुए चलाए जा रहे थे। यही वजह है कि दोनों ही मामलों में तत्काल जांच के आदेश दे दिए गए। मगर आम तौर पर ऐसे आदेश घटना से उपजे असुविधाजनक एवं ज्वलंत सवालों की ओर से लोगों का ध्यान हटाने भर का काम करते हैं। आसमान से बरसती आग के बीच शनिवार को हुए इन दोनों अग्निकांडों में मासूमों व बच्चों की मौत ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलत ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफ्सरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है।

आग क्यों और कैसे लगी, यह तो जांच का विषय है ही लेकिन इन व्यावसायिक इकाइयों को उसके मालिकों ने मौत का कुआं बना रखा था। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है। हर दुर्घटना में गलती भ्रष्ट आदमी यानी अधिकारी एवं व्यवसायी की ही होती है पर कारण बना दिया जाता हैं पुर्जों व उपकरणों की खराबी को। जैसे-जैसे जीवन तेज़ होता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या घट सकती है। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है, क्यों नहीं हो रहा है, यह मंथन का विषय है।

राजधानी दिल्ली ही नहीं, देश में हर जगह कानूनों एवं व्यवस्थाओं की धज्जियां उड़ते हुए देखा जा सकता है। इंसान का जीवन कितना सस्ता हो गया है। अपने धन लाभ के लिये कितने इंसानों के जीवन को दांव पर लगा देता है। मालिकों से ज्यादा दोषी ये अधिकारी और कर्मचारी हैं। अगर ये अपनी जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाते तो उपहार सिनेमा अग्निकांड नहीं होता, नन्दनगरी के समुदाय भवन की आग नहीं लगती, पीरागढ़ी उद्योगनगर की आग भी उनकी लापरवाही का ही नतीजा थी। बात चाहे पब की हो या रेल की, प्रदूषण की हो या खाद्य पदार्थों में मिलावट की-हमें हादसों की स्थितियों पर नियंत्रण के ठोस उपाय करने ही होंगे। तेजी से बढ़ता हादसों का हिंसक एवं डरावना दौर किसी एक प्रान्त या व्यक्ति का दर्द नहीं रहा। इसने हर भारतीय दिल को जख्मी किया है। इंसानों के जीवन पर मंडरा रहे मौत के तरह-तरह की डरावने हादसों एवं दुर्घटनाओं पर काबू पाने के लिये प्रतीक्षा नहीं, प्रक्रिया आवश्यक है। स्थानीय निकाय हो या सरकारें, लाइसेंसिंग विभाग हो या कानून के रखवाले- अगर मनुष्य जीवन की रक्षा नहीं की जा सकती तो फिर इन विभागों का फायदा ही क्या? कौन नहीं जानता कि ये विभाग कैसे काम करते हैं। सब जानते हैं कि प्रदूषण नियंत्रण के नाम पर इंस्पैक्टर आते हैं और बंधी-बंधाई राशि लेकर लौट जाते हैं। लाइसेंसिंग विभाग में ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचार है। नैतिकता और मर्यादाओं के इस टूटते बांध को, लाखों लोगों के जीवन से खिलवाड़ करते इन आदमखोरों से कौन मुकाबला करेगा? कानून के हाथ लम्बे होते हैं पर उसकी प्रक्रिया भी लम्बी होती है। कानून में अनेक छिद्र हैं। सब बच जाते हैं। सजा पाते हैं गरीब आश्रित, निर्दोष अभिभावक जो मरने वालों के पीछे जीते जी मर जाते हैं। पुलिस व्यक्ति की सुरक्षा में तैनात रहती है जनता की सुरक्षा में नहीं। भ्रष्ट अधिकारी नोट जुगाड़ने की कोशिश में रहते हैं, जनता की सुरक्षा के लिये नहीं। भ्रष्टाचार शासन एवं प्रशासन की जड़ों में पेठा हुआ है, इन विकट एवं विकराल स्थितियों में एक ही पंक्ति का स्मरण बार बार होता है, घर-घर में है रावण बैठा इतने राम कहां से लाऊं। भ्रष्टाचार, बेईमानी और अफसरशाही इतना हावी हो गया है कि सांस लेना भी दूभर हो गया है।

(ये लेखक के विचार हैं)

देश में खेल क्रांति संभव

देश की दो कम उम्र बेटियों ने ऐसा कमाल किया है, जिसे वर्षों भुलाया नहीं जा सकेगा। मात्र 15 साल की प्रीति स्मिता भोई ने विश्व युवा वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 40 किलो वर्ग के क्लीन और जर्क में 76 किलो वजन उठाने का विश्व यूथ रिकॉर्ड बनाने के साथ कुल 133 किलो वजन उठाया। वहीं 16 साल की काम्या कार्तिकेयन ने नेपाल की तरफ से एवरेस्ट पर सफल अभियान किया है। वह यह उपलब्धि पाने वाली देश की सबसे छोटी पर्वतारोही हैं। इन दोनों युवाओं ने अपने प्रदर्शन से साबित किया है कि कोई बात मन में ठान ली जाए तो उसे पूरा किया जा सकता है। प्रीति स्मिता ओडिशा के पिछड़े इलाके ढेंकनाल से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने मात्र दो साल की उम्र में ही पिता को खो दिया था। पर मां ने अपनी बेटी को आगे बढ़ाने के लिए हर तरह का बलिदान दिया और उसका केंद्रीय विद्यालय में दाखिला करा दिया। वहां कोच गोपाल कृष्ण दास की उनके ऊपर निगाह पड़ी तो उन्होंने प्रीति को वेटलिफ्टर बनने की सलाह दी। और आज हमारे सामने विश्व रिकॉर्डधारी खड़ी है। वहीं काम्या एक सपन्न परिवार से ताल्लुक रखती हैं।

उनके पिता एस कार्तिकेयन नौसेना में कमांडर हैं। पिता ने बेटी को इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए भरपूर साथ दिया है। वह इस अभियान में भी काम्या के साथ एवरेस्ट तक गए थे। मुंबई के नौसेना विद्यालय में 12वीं में पढ़ने वाली काम्या ने नेपाल की तरफ से सफल अभियान करके सबसे कम उम्र में अभियान पूरा करने का रिकॉर्ड बनाया। दोनों प्रदर्शन यह जताते हैं कि भारत में विभिन्न खेलों में प्रतिभाओं की तो कमी नहीं है, जरूरत सिर्फ उन्हें आगे लाने की है।

हमारे यहां पहले भी तमाम युवाएं प्रतिभाएं कमाल करती रहीं हैं। पर इस तरह के मामले में अक्सर खिलाड़ी अपनी इच्छा शक्ति के दम पर तमाम मुश्किलों का सामना करके आगे आते रहे हैं। हमने धाविका हिमा दास जैसे तमाम एथलीटों को घर से प्रशिक्षण स्थल तक पहुंचने में तमाम बाधाओं को पार करने की तमाम कहानियां पढ़ी हैं। अगर देश में दूरस्थ स्थानों तक खेल सुविधाओं का नेटवर्क फैलाया जाए तो देश में खेल क्रांति संभव है। हम यदि ऐसा कर सके तो दो-तीन दर्जन पदक जीतकर देश की प्रतिष्ठा को चार चांद लगते देख सकेंगे।

प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण ही समाधान

ज्ञानेन्द्र रावत

दुनिया में पेयजल की समस्या दिनों दिन गहराती चली जा रही है। इसके बावजूद हम पेयजल को बचाने और जल संचय के प्रति अपेक्षा अनुरूप गंभीर नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि 2025 में दुनिया की चौदह फीसदी आबादी के लिए जल संकट बहुत बड़ी समस्या बन जायेगा। इंटरनेशनल ग्राउंड वॉटर रिसोर्स असेसमेंट सेंटर के अनुसार पूरी दुनिया में आज 270 करोड़ लोग ऐसे हैं जो एक वर्ष में तकरीबन तीस दिन तक पानी के संकट का सामना करते हैं। संयुक्त राष्ट्र की मानें तो अगले तीन दशक में पानी का उपभोग यदि एक फीसदी की दर से भी बढ़ेगा, तो दुनिया को बड़े जल संकट से जूझना पड़ेगा। जगजाहिर है कि जल का हमारे जीवन पर प्रत्यक्ष तथा परोक्ष प्रभाव पड़ता है। यह भी कि जल संकट से एक ओर कृषि उत्पादकता प्रभावित हो रही है, दूसरी ओर जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य पर भी खतरा बढ़ता जा रहा है। विश्व बैंक का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के चलते पैदा हो रहे जल संकट से 2050 तक वैश्विक जीडीपी को छह फीसद का नुकसान उठाना पड़ेगा। दुनिया में दो अरब लोगों को यानी 26 फीसदी आबादी को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं है। पूरी दुनिया में 43.6 करोड़ और भारत में 13.38 करोड़ बच्चों के पास हर दिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पानी नहीं है। यूनीसेफ की रिपोर्ट कहती है कि 2050 तक भारत में मौजूद जल का 40 फीसदी हिस्सा खत्म हो चुका होगा।

एशिया की 80 फीसदी आबादी खासकर पूर्वोत्तर चीन, पाकिस्तान और भारत इस संकट का भीषण सामना कर रहे हैं। आशंका है कि भारत इसमें सर्वाधिक प्रभावित देश होगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शुद्ध पेयजल से जूझने वाली वैश्विक शहरी आबादी 2016 के 93.3 करोड़ से बढ़कर 2050 में 1.7 से 2.4 अरब होने की आशंका है। ग्लोबल कमीशन ऑन इकोनॉमिक्स ऑफ वॉटर की रिपोर्ट कहती है कि साल 2070 तक 70 करोड़ लोग जल आपदाओं के कारण विस्थापित होने को विवश होंगे। गौरतलब है दुनिया में दो अरब लोग दूषित पानी का सेवन करने को विवश हैं और हर साल जलजनित बीमारियों से लगभग 14 लाख लोग बेमौत मर जाते हैं। दुनिया में बहुतेरे विकसित देशों में लोग नल से सीधे ही साफ पानी पीने में सक्षम हैं। लेकिन हमारे देश में आजादी के 77 साल बाद भी ऐसा मुमकिन नहीं। केन्द्र और राज्य सरकारें घरों में नल के माध्यम से पीने योग्य पानी की आपूर्ति का दावा करती हैं। हकीकत यह है कि आज भी 5 फीसदी लोग बोतलबंद पानी खरीद रहे हैं। जबकि जल जीवन मिशन ने 2024 तक हर घर में नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा था। यह मिशन और स्थानीय निकाय के जलदाय विभाग की नाकामी है जिसके चलते हर महानगर, शहर -कस्बे में छोटे-छोटे सैकड़ों वाटर बॉटलिंग प्लांट चल रहे हैं जो घर-घर 20-20 रुपये में पानी की बोतल पहुंचा कर लोगों की प्यास बुझा रहे हैं।

यदि सभी को शुद्ध पेयजल मुहैया कराना सरकार की मंशा है तो उसे प्राकृतिक जल स्रोतों पर ध्यान देना होगा। इस तथ्य को सरकार भी नजरअंदाज नहीं कर सकती कि देश के सभी जलस्रोत संकट में हैं। तालाब, पोखर, जलाशय बेरुखी के चलते बर्बादी के कगार पर हैं। देशभर में करीब कुल 24,24,540 जल? स्रोत हैं। जिनमें से 97 फीसदी ग्रामीण क्षेत्रों में व केवल 2.9 फीसदी शहरी क्षेत्र में हैं। 45.2 फीसदी जल स्रोतों की कभी मरम्मत भी नहीं हुई। इनमें 16.3 फीसदी जल स्रोत इस्तेमाल में ही नहीं हैं। देश में हजारों जल स्रोतों पर कब्जा है। 55.2 फीसदी जलस्रोत निजी संपत्ति है और 44.5 फीसदी जलस्रोत सामुदायिक संपत्ति के अधिपत्य में हैं। देश में जलस्रोतों की हालत बहुत ही दयनीय है। कहीं वह सूखे हैं, कहीं निर्माण कार्य होने से इस्तेमाल में नहीं हैं, कहीं मलबे से भरे हैं। इनकी बदहाली में सबसे बड़ा कारण उनका सूखना, सिल्ट जमा होना, मरम्मत के अभाव में टूटते चला जाना है।

प्राकृतिक जल स्रोतों तथा नदी, तालाब, झील, पोखर, कुओं के प्रति सरकारी और सामाजिक उदासीनता एवं भूजल जैसे प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन ने स्वच्छ जल का गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। यदि सबको पीने का शुद्ध जल मुहैया कराना है तो प्राकृतिक जलस्रोतों पर ध्यान देना होगा। वर्ल्ड वॉटर रिसोर्स इंस्टिट्यूट की मानें तो देश को हर साल करीब तीन हजार बिलियन क्यूबिक मीटर पानी की जरूरत होती है। जबकि बारिश से भारत को अकेले 4000 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी मिलता है। भारत सिर्फ आठ फीसदी बारिश के जल का ही संचयन कर पाता है। यदि बारिश के पानी का पूर्णतया संचयन कर दिया जाये तो काफी हद तक जल संकट का समाधान हो सकता है। जल शक्ति अभियान के अनुसार देश में बीते 75 सालों में पानी की उपलब्धता में तेजी से कमी आई है। वर्ष 1947 में हमारे यहां प्रति व्यक्ति सालाना पानी की उपलब्धता 6042 क्यूबिक मीटर थी जो 2021 में 1486 क्यूबिक मीटर रह गयी। इसके अलावा विश्व बैंक के अनुसार देश में हर व्यक्ति को रोजाना औसत 150 लीटर पानी की जरूरत होती है लेकिन वह अपनी गलतियों के चलते 45 लीटर रोजाना बर्बाद कर देता है। ऐसी में वर्षा जल संचयन-संरक्षण, प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण, उनका समुचित उपयोग और जल की बर्बादी पर अंकुश ही वह रास्ता है जो इस संकट से छुटकारा दिला सकता है।

(ये लेखक के विचार हैं)

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

दोस्त संस्था ने आयोजित की चाइल्ड टाईप वन डायबिटीज सेमिनार

रायपुर। राजधानी स्थित एक निजी चिकित्सालय में बाल मधुमेह के विषय पर दोस्त संस्था ने कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला के प्रमुख प्रशिक्षक डॉ सत्यजीत साहू ने बाल मधुमेह के कारणों बताते हुये उसके इलाज के संबंध में विस्तार से जानकारी दी . उन्होंने बताया कि बचपन से ही होने के कारण बाल मधुमेह के रोगियों के साथ ही उनके परिवार को भी इस बीमारी को समझने में खांसी परेशानी होती है . धैर्य रखकर समझने से परिवारजन इसके बीमारी के साथ जीना सीख लेते हैं और तब यह बीमारी एक लाइफ़स्टाइल का रूप ले लेती है। आहार प्रशिक्षक साझी सिंह ने खान पान के बारे में बताया. उन्होंने कैलोरी की मात्रा और कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और फ़ैट के संतुलन के बारे में कहा . उन्होंने फल की ज़रूरत भी बताई. इस मौक़े पर इक्कीस वर्षीय पुजा सोनी को बाल मधुमेह का ब्रांड एंबेसडर चुना गया. बाल मधुमेह के अभिभावकों को समाज सेविका लक्ष्मी सोनी ने अपने अनुभव को साझा करते हुए जागरूकता और समझदारी की ज़रूरत को रेखांकित किया। इंसुलिन टेकनीक को सिस्टर ममता और सिस्टर रिंकी ने बताया. यौगिक जीवनशैली और कौशिकी नृत्य के लाभ के बारे में छत्तीसगढ़ी महिला समाज की प्रदेश अध्यक्ष मालती परगनिहा ने प्रशिक्षण दिया . कार्यक्रम के संयोजक एडवोकेट संतोष ठाकुर ने डॉ सत्यजीत साहू के नेतृत्व में दोस्त और प्योर की टीम के समाजिक प्रकल्पों की जानकारी दी . दोस्त टीम के सुरज दुबे भावनात्मक सहयोग की आवश्यकता बताई।

सदगुरु कबीर आश्रम कबीर नगर में सदगुरु कबीर स्मृति महोत्सव कल

दुर्ग। इस कार्यक्रम में के मुख्य प्रवक्ता के रूप में पंथ श्री हजूर आचार्य श्री मंगल साहेब जी कबीरमठ नदिया होंगे साथ ही सदगुरु कबीर विश्व शांति मिशन के अध्यक्ष संत रविकर साहेब जी एवं समस्त संत गुरुजन संत श्री बलवान साहेब जी संत श्री जितेंद्र साहेब जी संत श्री विजय साहेब जी संत श्री दिनेंद्र साहेब जी साहिब जी साध्वी सुमन साहेब साध्वी विजयलक्ष्मी साहेब जी साध्वी सुप्रिया साहेब जी साध्वी साहेब जी आदि । इस स्मृति महोत्सव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के मुखिया यशश्वी विष्णु देव साय मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय जी होंगी अध्यक्षता सम्माननीय गजेंद्र यादव जी विधायक एवं विशिष्ट अतिथि दुर्ग शहर के प्रथम नागरिक सम्माननीय धीरज बाकलीवाल महापौर विशिष्ट अतिथि सम्माननीय महेंद्र साहू जी समाजसेवी एवं हरिशंकर धर्मपत्नी कुमारी देवी साहू समाजसेवी होंगे। कार्य क्रम का रूपरेखा सुबह प्रात: 7:00 बजे से प्रभाती भजन झंडारोहण एवं 10:00 बजे से 12:00 तक सत्संग प्रवचन व अतिथि स्वागत के साथ अतिथि उद्बोधन एवं संत गुरुजनों की पूजा के साथ सभा का समापन तत्पश्चात भोजन भंडारा का कार्यक्रम रखा गया है जिसमें आप सब अधिक से अधिक संख्या में पधार करके इस कार्यक्रम को सफल बनाए एवं संत गुरुजनों के दर्शन व अमृत वाणियों का लाभ लेवे आप सब तक हम इस बार पहुंच नहीं पाए हैं। इसलिए इसे आप अपना आमंत्रण स्वीकार कर जरूर आश्रम के इस कार्यक्रम में पधारिए यह जानकारी अध्यक्ष वेदराम साहू जी उपाध्यक्ष ईश्वरी साहू सचिव अशोक साहू गोविंद साहू एवं होमन साहू पारस नाथ साहू साहू संजू साहू पोखन साहू जी छगन साहू हरिश्चंद्र साहू कार्तिक राम साहू जगदीश सर्वा चेतन गुरुजी जगदीश साहू जुगराज साहू जी आदि सभी आश्रम समिति के पदाधिकारी ने यह जानकारी दिया।

सीजी सरकार की अनूठी पहल : आईआईएम सहित देश भर के विषय विशेषज्ञों से चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अपनी तरह की अनूठी पहल करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने विकसित छत्तीसगढ़, विकसित भारत की संकल्पना के अपने विजन के क्रियान्वयन के लिए आईआईएम एवं देश भर की प्रतिष्ठित संस्थाओं के विषय विशेषज्ञों के साथ मंथन किया। रायपुर आईआईएम में आयोजित इस दो दिवसीय चिंतन शिविर का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया। शिविर में मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा सहित मंत्रिमंडल के अन्य सहयोगियों ने भी हिस्सा लिया। इस तरह से देश में विषय विशेषज्ञों के साथ बौद्धिक विमर्श और चिंतन शिविर गुजरात में आयोजित किया गया था।

देश में ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी राज्य का पूरा मंत्रिमंडल प्रदेश को संवारने एवं विकास को नया आयाम देने विद्यार्थी भाव से विचारविमर्श करने जुटा है और अपने क्षेत्र के माने हुए विषय विशेषज्ञों से संवाद कर रहा है। प्रदेश के नेतृत्व द्वारा इस तरह से अनूठी पहल करते हुए विशेषज्ञों से बौद्धिक विचार-विमर्श कर प्रदेश को संवारने के लिए सार्थक चर्चा की गई।

जैसे कोई कृषक बड़ी मेहनत से खेती के लिए अपनी जमीन तैयार करता है वैसा ही विकसित छत्तीसगढ़ के स्वप्न को मूर्त रूप देने छत्तीसगढ़ का शीर्ष नेतृत्व जुटा, जो विजन तैयार किया गया है उसे प्रभावी बनाने विषय विशेषज्ञों से राय ली गई ताकि उनके सुझाव लेकर विजन के क्रियान्वयन को पैनापन दिया जा सके। चिंतन शिविर में तय किया गया कि विकसित छत्तीसगढ़ के विजन को समाज के सभी वर्गों के बीच ले जाना है। सबको जागरूक कर और उनकी भागीदारी लेकर विकसित छत्तीसगढ़ के सपनों को पूरा किया जाना है। शिविर में विषय विशेषज्ञों के साथ देर तक चर्चा हुई और छत्तीसगढ़ की संभावनाओं को लेकर बारीकियों पर बात हुई। सभी मंत्रियों ने संवाद में भागीदारी करते हुए छत्तीसगढ़ में इस संबंध में बनाई जा रही नीतियों के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने श्री सुब्रमण्यम एवं अन्य विशेषज्ञों के समक्ष अपनी जिज्ञासाएं भी रखीं जिस पर विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए सार्थक परिचर्चा हुई।

आधारभूत संरचना को सुदृढ़ किए जाने पर फोकस

आधारभूत संरचना को सुदृढ़ किए जाने पर विशेष फोकस दिया गया। शहरों में मूलभूत सुविधाओं के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भीतरी सड़कों के विकास पर बल दिया गया ताकि विकसित अधोसंरचना के माध्यम से आर्थिक समृद्धि सभी क्षेत्रों तक बराबरी से पहुंच पाए। लोक वित्त पर भी गहनता से चर्चा हुई। छत्तीसगढ़ की ताकत सरप्लस रेवेन्यू, फिस्कल डिसिप्लिन, लो डेब्ट एंड जीडीपी रेश्यो, खनिज एवं वनसंपदा पर जोर देते हुए कृषि उत्पादकता को बढ़ाने, फसल वैविध्य, उद्योगों और टूरिज्म के अनुरूप मानव संसाधन को दक्ष बनाने की जरूरत पर बल दिया गया। टीम प्रबंधन के लिए अनुभवात्मक गतिविधि के संबंध में विशेष चर्चा की गई।

विकसित भारत की संकल्पना पर रखी अपनी बात

प्रथम सत्र को नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विकसित भारत की संकल्पना और इसे प्राप्त करने की रणनीति के संबंध में विस्तार से अपनी बातें साझा की। उन्होंने कहा कि बीते दस सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ा है और दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह बनाने में सफल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत 2047 बनाने का संकल्प लिया है और इसे पूरा करने की रणनीति बनाई है। श्री सुब्रमण्यम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी स्केल, स्पीड और इनोवेशन पर जोर देते हैं। बदलते अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य और समय को देखते हुए विकसित भारत का विजन तैयार किया गया है ताकि भारत अपनी विशिष्ट जगह बना सकें।

अब दुनिया की निगाहें ग्लोबल साउथ पर

उन्होंने कहा कि अब दुनिया की निगाहें ग्लोबल साउथ पर हैं। अब दुनिया का नजरिया पश्चिम से पूर्व की ओर देखने का है और भारत इन संभावनाओं को पूरा करने के लिए सक्षम है। भारत की जनांकिकी, भारत की रणनीतिक स्थिति और भारत में तेजी से हुए सुधारों से इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए भारत तैयार है। उन्होंने कहा कि जब हम विजन लेकर चलते हैं तो स्वाभाविक रूप से हमें एक गाइड मैप मिल जाता है और इसके अनुरूप हम बढ़ते जाते हैं। श्री सुब्रमण्यम ने कहा कि विकसित भारत का संकल्प पूरा करने में छत्तीसगढ़ की अहम भागीदारी होगी। छत्तीसगढ़ में विकसित राज्य बनने के लिए और तीव्र विकास के लिए असीम संभावनाएं हैं और इस दिशा में आगे बढ़कर छत्तीसगढ़ अपने विकास के साथ ही विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्वास्थ्य, अधोसंरचना जैसी बुनियादी विषयों पर चर्चा

चिंतन शिविर में स्वास्थ्य, अधोसंरचना, खनन, लोकवित्त जैसे बुनियादी विषयों पर चर्चा हुई जिनमें बारीकी से कामकर और सही रणनीति बनाकर विकसित छत्तीसगढ़ और लोगों की समृद्धि सुनिश्चित की जा सकती है। स्वास्थ्य में अधोसंरचना पर जोर दिया गया। कोविड जैसी आपदाओं से भविष्य में निपटने के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था को पूरी तरह से चाकचौबंद रखने पर जोर दिया गया। साथ ही इस क्षेत्र में रिसर्च को बढ़ावा देने और निरंतर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने चर्चा की गई। प्राकृतिक संसाधनों का कुशल उपयोग विषय पर भी चर्चा हुई। खनन में अनेक राज्यों की बेस्ट प्रैक्टिसेज को अपनाने के संबंध में बात हुई। साथ ही खनन के पर्यावरणीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए इस दिशा में कार्य करने की जरूरत पर जोर दिया गया।

पोर्टेबल सेटेलाइट सिस्टम का प्रदर्शन और 4जी सेवाओं की पायलट टेस्टिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर । बीजापुर जिले में बीएसएनएल की 4ळ सेवाएँ की पायलट टेस्टिंग, 31 मई 2024 को कलेक्टर बीजापुर अनुराग पांडेय की उपस्थिति में की गयी। इस अवसर पर बीएसएनएल बस्तर के महाप्रबंधक शरत चंद्र तिवारी ¼ITS½, हेमेन्द्र कुमार गहिरवार (स.मा.प्र.) सेत राम साहू (उप.म.आ), नरसिंग चंद्रा (उप.म.आ) तथा जिला स्तर के अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।

4त्र सेवाओं के परीक्षण के अवसर पर, कलेक्टर बीजापुर द्वारा बीएसएनएल केंद्र बीजापुर स्थित मोबाइल टावर में 4त्र सिग्नल को पॉवर-ऑन कर, बीएसएनएल छत्तीसगढ़ के मुख्यमहाप्रबंधक विजय कुमार छबलानी से टेस्ट वीडियो कॉल के माध्यम से संपर्क किया गया। टेस्टिंग कॉल सफल रही। निकट भविष्य में विधिवत सुविधा प्रदान की जावेंगी। बीएसएनएल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस्तर के समस्त जिलों में स्थित बीएसएनएल टावरों को 4 प्रतिशत सुविधा से सुसज्जित करने का कार्य क्रमबद्ध तरीके से करने हेतु कार्यवाही की जा रही है इसी दिशा में आज बीजापुर में 4प्रतिशत सेवाएँ की टेस्टिंग की गई।

इसके अतिरिक्त 4प्रतिशत सैचुरेशन परियोजना पर भी कार्य प्रगति में हैं इस परियोजना में बस्तर के उन गाँवों को शामिल किया गया है जहां किसी भी टेलीकॉम सेवा प्रदाता द्वारा मोबाइल सेवा आरंभ नहीं की गयी है। ऐसे कुल 1018 गाँवों को चिन्हित किए गया है और इन गाँवों को 241 नये टावर के माध्यम से मोबाइल सेवाएँ से कवर किया जाएगा। बीएसएनएल द्वारा आज जिला प्रशासन बीजापुर के लिये सेटेलाइट के माध्यम से विशेष टेलीकॉम सुविधा का प्रदर्शन भी किया गया। सेटेलाइट सेवा के माध्यम से जिला कार्यालय एवं तहसील स्तर के 6 कार्यालयों को जोड़ा जाएगा।

संवाद, सुझाव और समाधान से हम मिलकर पंडरिया को समृद्ध बनाएंगे : भावना बोहरा

ग्राम रणवीरपुर में विधायक बोहरा ने किया जनसेवा ही भावना केंद्र का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने ग्राम रणवीरपुर में जनसेवा ही भावना सेवा सुविधा केंद्र (विधायक कार्यालय) का उद्घाटन किया। विधानसभा चुनाव के दौरान अपने घोषणा पत्र भावना दीदी की गारंटी में जनता से किए वादे को पूरा करते हुए, भावना बोहरा ने पूर्व में कुकदुर, पंडरिया, और पांडातराई में इस केंद्र की स्थापना की थी। इसी श्रृंखला में रणवीरपुर में भी इस केंद्र का शुभारंभ किया गया।

शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान भावना बोहरा ने कहा, संवाद, सुझाव, और समाधान - इन तीन महत्वपूर्ण विषयों के साथ हम मिलकर पंडरिया विधानसभा को समृद्ध बनाएंगे। जनसेवा ही भावना केंद्र हमारे इस संकल्प की एक महत्वपूर्ण कड़ी होगी। इस केंद्र में सभी शासकीय योजनाओं के लाभ और उनके क्रियान्वयन के साथ ही क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं, जन आकांक्षाओं, और क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए आमजनों के सुझाव भी सुने जाएंगे। भावना बोहरा ने आगे बताया, इस केंद्र के माध्यम से क्षेत्रवासियों को उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण, शासकीय कार्यों से संबंधित समाधान, और सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही स्थान पर मिलेंगी। यह केंद्र जनता और एक जनप्रतिनिधि के बीच आपसी सामंजस्य एवं संवाद का एक बेहतर माध्यम बनेगा। पहले अपनी समस्याओं के निराकरण व अन्य कार्यों के लिए क्षेत्र की जनता को तहसील व जिला में जाना पड़ता था, लेकिन अब इस केंद्र की स्थापना से उन्हें उनके गाँव और घर के समीप ही समाधान मिलेगा।

उन्होंने कहा, हमने विधानसभा चुनाव में इस केंद्र की स्थापना करने का वादा किया था और मुझे हर्ष हो रहा है कि हमने चार प्रमुख क्षेत्रों में इस केंद्र की शुरुआत कर दी है। जल्द ही अन्य तीन स्थानों में भी इस केंद्र की स्थापना की जाएगी। यह केंद्र जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद एवं सूचनाओं के आदान-प्रदान का प्रमुख केंद्र होगा।

शुभारंभ कार्यक्रम में राजेन्द्र साहू, दारा सिंह, धरमपाल कौशिक, तिलक सेन, राघवेंद्र वर्मा, बसंत बोहरा, देवनाथ यादव, चेतन शुक्ला, सुदर्शन कुम्भकार, रिषभ वर्मा, धनराज सिंह, ढोलेश मानिकपुरी, भूपेंद्र वर्मा, सत्यम अग्रवाल, राजू पारख, सुखदेव धुर्वे, गजपाल साहू, कृष्णा चंद्राकर, मनोज राजपूत, नवल पांडेय, खेमसिंह ठाकुर, सीताराम साहू, परमेश यादव, रूपेश तिवारी, रामनारायण शर्मा, शंकर ठाकुर, रूप सिंह वर्मा, ईश्वर साहू, महादेव कौशिक, अरविंद राजपूत, संतोष वैष्णव, खेलावन सोनी, संजय साहू, मीना पटेल, वेदवती खुसरो सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

जल जगार अभियान: आम नागरिकों से जल बचाने की गई अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। गर्मी के मौसम में देश के अधिकांश हिस्सों में पानी की समस्या विकराल रूप धारण कर लेती है और इस समस्या से धमतरी जिला भी अछूता नहीं है। राजधानी रायपुर, भिलाई सहित अन्य जिलों को साल भर पानी उपलब्ध कराने वाला धमतरी जिले का गंगरेल डेम खुद सूखे की चपेट में आकर सूखने की कगार पर आ गया है।

इस विकट समस्या को समझते हुए कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी ने जिले में नारी शक्ति से जल शक्ति अभियान के तहत् जल जगार उत्सव मनाने की योजना बनाई, जिसका मुख्य उद्देश्य रैन वाटर हार्वेस्टिग, रूफ्टर्फ वाटर और वेस्ट वाटर मेनेजमेंट के माध्यम से शुद्ध पानी को भूमि के अंदर भेजना है। अभियान अंतर्गत जिले के 4 विकासखंडों के 5-5 ऐसे गांव जिनमें पानी की समस्या रहती है, उनका चयन किया।

प्रथम चरण में जल की महत्ता को समझते हुए भारत सरकार की जल शक्ति मंत्रालय के विशेषज्ञों के सहयोग से जिला स्तरीय अधिकारियों हेतु 3 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत के सभाकक्ष में किया गया। जल शक्ति मंत्रालय के विशेषज्ञों ने भू जल मुद्दों से निपटने की तकनीको के बारे में विस्तृत जानकारी दी। द्वितीय चरण में जिले में संचालित सभी निजी स्कूलों, हास्पीटल, रेस्टोरेंट सहित ऐसे भवन जिनका आकार बड़ा है, उन्हें 15 जून तक अनिवार्य रूप से अपने भवन के समीप रेन वाटर हार्वेस्टिंग और रूफ्टर्फ वाटर स्ट्रक्चर बनाने के निर्देश दिये गये।

धमतरी जिले के कुरूद विकासखंड अंतर्गत आने वाले नवागांव थुहा जल जगार कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। जहां ग्रामीणों ने एक स्वर में जल संरक्षण की शपथ ली। इस अवसर पर गांव में जल संरक्षण की दिशा में अच्छा काम करने वाले ग्रामीणों को सम्मानित भी किया गया।

गांव में अन्य लोगों को भी जल सरंक्षण की दिशा में काम करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। पीकू - जिले में जल संरक्षण के संबंध में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से कलेक्टर सुश्री गांधी के मार्गदर्शन में लोगो तैयार किया गया है साथ ही छोटे-छोटे वीडियो क्लिप्स भी बनाए गए हैं, जिसके जरिए जिलेवासियों को घरों में पानी का सदुपयोग करने, पानी बचाने की विधि सहित खेतों में कम पानी वाले फसलों के संबंध में प्रेरित किया गया है।

जागरूकता रैलियों का हो रहा आयोजन

धमतरी जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में गांवों में जल जगार कार्यक्रम प्रति दिन आयोजित किये जा रहे है। इस दिशा में ग्रामीणों में जल संरक्षण संबंधी जागरूकता हेतु कार्यक्रम के दो-तीन दिवस पूर्व रैलियां, दीवार लेखन, तालाबों व जल स्त्रोतों की सफाई आदि कार्य कर माहौल तैयार किया जा रहा है।

शहरों में वाटर स्ट्रक्चर का निर्माण

तालाबों में जल संरक्षण हेतु गाद निकालने, समुचित सफाई करने टीम द्वारा किया गया सर्वे जिले के पांच नगर पंचायत क्षेत्र आमदी, भखारा, नगरी,मगरलोड एवं कुरूद नगर पंचायत क्षेत्र में विभिन्न तालाबों में गाद जमा है जिसके कारण तालाबों के पानी की गुणवत्ता एवं भंडारण क्षमता क्षमता प्रभावित हो रही है। इन्हें साफ करने हेतु रायपुर की एन.आई.टी टीम द्वारा सर्वे किया जायेगा।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा अनाधिकृत बोर्ड हटाने का कार्य

रायपुर (ए.)। शहर के व्यवसायिक मार्गों में स्थित दुकानों के सामने अनाधिकृत रूप से लगे विज्ञापन बोर्ड के कारण वाहनों की पार्किंग में असुविधा होने के साथ-साथ ट्रैफिक जाम की समस्या होती रही है। दुकान के बाहर फुटपाथ में लोहे के विज्ञापन बोर्ड स्थापित कर फुटपाथ के हिस्से को घेर कर रेस्टोरेंट संचालको द्वारा अपनी दुकान सीमा के बाहर ग्राहको के बैठने के लिए टेबल कुर्सी रखी जाती है। दुकानदारों द्वारा फुटपाथ पर किये जा रहे कब्जे को रोकने तथा दुकानों के सामने पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार लगातार दूसरे दिन शहर के दो व्यवसायिक मार्ग, पुलिस थाना खम्हारडीह से कचना रेल्वे फाटक तक एवं कचना रेल्वे फाटक से आनंदम वर्ल्ड सिटी वर्ल्ड तक के दोनो ओर स्थित दुकानों के सामने लगे अनाधिकृत बोर्ड को गैस कटर की मदद से काट कर जब्त किये जाने की कार्यवाही की गई।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के 31 सदस्य हुए सेवानिवृत्त

रायपुर (ए.)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत रेल परिवार के 31 सदस्य मई 2024 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत हुए। इस समारोह में सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी सुशील कुमार लकड़ा, सहायक मंडल वित्त प्रबंधक विजय कुमार शर्मा, सेवानिवृत्त कर्मी एवं उनके परिजन, कल्याण निरीक्षक तथा बंदोबस्त अनुभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। मंडल के सेवानिवृत्त होने वाले 31 रेलकर्मियों में यांत्रिकी विभाग से 04, विद्युत विभाग से 04, इंजीनियरिंग विभाग से 07, परिचालन विभाग से 08, चिकित्सा विभाग 01, संकेत एवं दूरसंचार विभाग 01, कार्मिक विभाग से 01, सुरक्षा विभाग 01 एवं वाणिज्य विभाग से 04 कर्मचारी शामिल हैं।

रेलवे इंस्टिट्यूट (खारुन रेल विहार) में आयोजित समारोह में समस्त सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई दी गई। इस अवसर पर सहायक मंडल वित्त प्रबंधक द्वारा सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति का समस्त भुगतान प्रमाण-पत्र दिया गया, साथ ही पेंशन भुगतान आदेश, सेवानिवृत्त कर्मचारी का पहचान पत्र एवं कर्मचारियों एवं आश्रितों का पास कार्ड, सेवा मेडल आदि को प्रदान किया गया।

नगर निगम क्षेत्र में प्रतिदिन चलाया जा रहा स्वच्छता अभियान

नाला में कब्जा, अवैध निर्माण पर चला नगर निगम का जेसीबी

रायपुर (ए.)। रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम अपर आयुक्त राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व एवं निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही, जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय, जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू , उपअभियंता नगर निवेष कुंदन साहू, स्वच्छता पर्यवेक्षक भोला तिवारी सहित श्रमिकों, जेसीबी मशीन की सहायता से पुलिस थाना बल की उपस्थिति में नगर निगम जोन 9 क्षेत्र में शहीद पंडित विद्याचरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 51 के क्षेत्र में व्हीआईपी रोड में होटल बेबीलान के पीछे के बड़े नाले पर अवैध कब्जा कर लिया गया है। इस पक्के अवैध कब्जे को हटाने अभियान कार्यवाही प्रारम्भ कर दी। इस अभियान के दौरान नाले पर कब्जा जमाये कब्जाधारी द्वारा स्वत: नाले का कब्जा अपने स्वत: के व्यय एवं संसाधन से अगले 3 दिनों के भीतर हटाने नगर निगम जोन 9 से लिखित अनुरोध किया। तय समयसीमा के भीतर कब्जाधारी द्वारा स्वयं कब्जा नहीं हटाए जाने की स्थिति में नगर निगम जोन 9 का अमला समयसीमा समाप्त होने पर अभियान चलाकर नाले पर किया गया अवैध कब्जा तोड़कर हटा दिया गया।

कचरा फैलाने एवं दुकान में डस्टबिन नहीं रखने पर जुर्माना

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार रायपुर नगर निगम क्षेत्र में प्रतिदिन स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम जोन क्रमांक 10 स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गंदगी फैलाए जाने से सम्बंधित जनशिकायत मिलने पर उसकी वस्तुस्थिति की जानकारी लेने हेतु नगर निगम जोन 10 जोन कमिश्नर रमेश जायसवाल के नेतृत्व एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी पूरन तांड़ी की उपस्थिति में महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं, जोन 10 स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की उपस्थिति में जोन क्षेत्र के तहत अमलीडीह मुख्य मार्ग के किनारे की दुकानों की सफाई का निरीक्षण किया। इस दौरान गंदगी फैलाये जाने एवं दुकान में डस्टबिन नहीं रखे जाने से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत स्थल निरीक्षण के दौरान सही मिली, इस पर जोन कमिश्नर के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी ने दुकान में डस्टबिन नहीं रखने एवं गंदगी फैलाने वाले सम्बंधित 9 दुकानदारों पर कुल 1000 रूपये का जुर्माना उन्हें भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए वसूला। इस तरह गंदगी फैलाने से संबंधित प्राप्त जन शिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया।

व्यर्थ बह रहे पानी का होगा सदुपयोग

फिल्टर प्लांट परिसर में रिसर्क्युलेशन सिस्टम हुआ प्रारम्भ

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग एवं रायपुर जिला प्रशासन की लोक हितकारी मंशा के अनुरूप अमृत मिशन योजना के अंतर्गत 150 एमएलडी एवं 80 एमएलडी क्षमता के जल शुद्धिकरण संयंत्रों हेतु भाठागांव स्थित फिल्टर प्लांट परिसर में निर्मित रिसर्क्युलेशन सिस्टम का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। इस अवसर पर नगर पालिक निगम रायपुर के अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता अमृत मिशन अंशुल शर्मा, कार्यपालन अभियंता फिल्टर प्लांट नर सिंग फरेन्द्र के साथ एजेंसी मेसर्स इंडियन ह्यूम पाईप कंपनी लिमिटेड के अधिकारीगण उपस्थित थे।

जल शुद्धिकरण संयंत्रों के फिल्टर बेड की बैक वाशिंग एक निरंतर प्रक्रिया है, जिससे फिल्टर बेड को प्रतिदिन नियमित रूप से साफ किया जाता है। फिल्टर बेड को साफ करने में उपयुक्त होने वाले जल को बैक वाशिंग की प्रक्रिया उपरांत भूमिगत ड्रेन पाइप के माध्यम से ड्रेन आउट कर दिया जाता था। यह बैकवाश वाटर भाठागांव स्थित फिल्टरप्लांट परिसर से बाहर प्रोफेसर कॉलोनी नाले में सम्मिलित होता था। वर्षा ऋतु में नदी का पानी मटमैला होने के कारण जल शुद्धिकरण संयंत्रों के फिल्टर बेड की बैक वाशिंग प्रक्रिया को एक से अधिक बार दोहराये जाने की आवश्यकता पड़ती है, जिसके कारण अत्यधिक मात्रा में बैकवाश वाटर फिल्टर प्लांट परिसर से बाहर ड्रेन आउट होता है।

रिसर्क्युलेशन सिस्टम का संचालन प्रारंभ होने से 150 एमएलडी एवं 80 एमएलडी क्षमता के दोनों जल शुद्धिकरण संयंत्रों से निकलने वाले बैकवाश वाटर को पुन: संयंत्र में भेजा जा रहा है,जिससे कि व्यर्थ बह रहे बैकवाश वाटर का पुर्नचक्रण किया जा रहा है। दोनों जल शुद्धिकरण संयंत्रों से औसतन प्रतिदिन 6 एमएलडी बैकवाश वाटर फिल्टर प्लांट परिसर से बाहर ड्रेन आउट होता है एवं वर्षा ऋतु में यह आकड़ा 9 एमएलडी तक पहुंच जाता है। रिसर्क्युलेशन सिस्टम की कुल क्षमता प्रतिदिन 12 एमएलडी बैकवाश वाटर को संरक्षित करने की है। इसके संचालन से प्रतिदिन इतनी वृहद मात्रा में जल को संरक्षित किया जायेगा। इसके साथ ही वर्षा ऋतु में प्रोफेसर कॉलोनी नाले से लगे डुबान क्षेत्रों को जलमग्न होने से बचाया जा सकेगा। अमृत मिशन योजना के अंतर्गत फिल्टर प्लांट परिसर में ही नवनिर्मित 80 एमएलडी क्षमता के जल शुद्धिकरण संयंत्र में पूर्व से ही रिसर्क्युलेशन सिस्टम का प्रावधान होने के कारण विगत एक वर्ष से अधिक अवधि से निरंतर संचालित इस संयंत्र से बैकवाश वाटर का पुर्नचक्रण किया जा रहा है। नवीन रिसर्क्युलेशन सिस्टम का संचालन प्रारंभ होने से भाठागांव स्थित फिल्टर प्लांट परिसर में निर्मित तीनों जलशुद्धिकरण संयंत्रों (80 एमएलडी. 150 एमएलडी एवं नवीन 80 एमएलडी) को जीरो वेस्टेज वाटर संयंत्र कहा जा सकता है। पानी की बढ़ती मांग एवं लगातार गिरते जल स्तर के बीच जल संरक्षण की दिशा में रायपुर शहर के लिए रिसर्क्युलेशन सिस्टम का सतत निरन्तर प्रक्रिया के अंतर्गत प्रारम्भ एक महत्वपूर्ण लोकहितकारी कार्य माना जा रहा है।

मुख्य न्यायाधीश सिन्हा ने लंबित प्रकरणों के चिन्हांकित कार्य का किया निरीक्षण

रायपुर (ए.)। उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रिट, सिविल एवं क्रिमिनल शाखा में औचित्यहीन लंबित प्रकरणों के चिन्हांकित कार्य का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने इस मौके पर न्यायिक एवं रजिस्ट्री अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा कर उन्हें मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर में 13 मई से 7 जून तक चल रहे ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान मुख्य न्यायाधीश श्री सिन्हा के निर्देशानुसार औचित्यहीन लंबित प्रकरणों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है, ताकि वादकार, पक्षकार व्यर्थ मुकदमेबाजी से बच सकें। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार औचित्यहीन लंबित प्रकरणों को चिन्हांकित करने की प्रणाली विकसित की गई है, ताकि चिन्हांकित लंबित प्रकरणों को सुनवाई के पश्चात निराकृत किया जा सके।

उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश के निर्देशानुसार रिट क्रिमिनल अपील, क्रिमिनल रिवीजन, अवमानना प्रकरणों एवं अन्य प्रकरणों में औचित्यहीन लंबित प्रकरणों का चिन्हांकन कर उन्हें सूचीबद्ध करने का कार्य किया जा रहा है। प्रकरणों का भौतिक सत्यापन जिला न्यायालय बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, छत्तीसगढ़ न्यायिक अकादमी में पदस्थ न्यायिक अधिकारियों तथा उच्च न्यायालय में पदस्थ अधिकारी एवं कर्मचारी कर रहे हैं। बीते 15 दिनों से चल रहे इस कार्य का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आज मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने आकस्मिक निरीक्षण किया और इस कार्य में जुटे अधिकारियों-कर्मचारियों से चर्चा कर उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया। निराकृत प्रकरणों के स्केनिंग पश्चात भौतिक सत्यापन कर कार्य भी किया जा रहा है। मुख्य न्यायाधीश ने इसका भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा निराकृत प्रकरणों का डिजिटल माध्यम से दीर्घावधि तक संधारण हो सकेगा। औचित्यहीन लंबित प्रकरणों के भौतिक सत्यापन के कार्य का मुख्य न्यायाधीश ने बीते 13 मई को भी आकस्मिक निरीक्षण किया था।

नशाखोरी रोकने के लिए ब्रह्माकुमारी बहनों का यह प्रयास सराहनीय है

रायपुर (ए.)। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ने अन्तर्राज्यीय बस टर्मिनल भाठागांव और रेल्वे स्टेशन रायपुर के मुख्य प्रवेश द्वार क्रमांक-2 में एक दिन के लिए नशा मुक्ति आध्यात्मिक प्रदर्शनी का आयोजन किया। रेल्वे स्टेशन में आयोजित प्रदर्शनी का शुभारम्भ विधायक राजेश मूणत, अपर कलेक्टर श्रीमती निधी साहू, मुख्य स्टेशन प्रबन्धक एन.के. साहू और रायपुर सेवा केन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने किया। इसी तरह अन्तर्राज्यीय बस टर्मिनल भाठागांव में आयोजित नशा मुक्ति आध्यात्मिक प्रदर्शनी का उद्घाटन विधायक मोतीलाल साहू और ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने किया। साथ में ब्रह्माकुमारी रश्मि दीदी और ब्रह्माकुमारी नीलम दीदी भी उपस्थित थीं।

इस अवसर पर विधायक राजेश मूणत ने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि तम्बाकू और शराब आदि से होने वाले नुकसान के बारे में सचेत करके ही आने वाली पीढ़ी को इसके सेवन से बचाया जा सकता है। इस दिशा में ब्रह्माकुमारी आश्रम की बहनों ने नशामुक्ति आध्यात्मिक प्रदर्शनी का आयोजन कर लोगों में जागृति लाने का सराहनीय कार्य किया है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूँ।

अपर कलेक्टर श्रीमती निधि साहू ने कहा कि प्रदर्शनी में नशाखोरी का व्यक्ति और समाज पर पडने वाले दुष्प्रभाव तथा उसके निवारण के बारे में वैज्ञानिक ढंग से विश्लेषण किया गया है। यह जीवनमूल्यों की ओर लोगों का जुड़ाव हो इस दिशा में अच्छा प्रयास है। इससे लोगों को अपने जीवन में सुधार करने की प्रेरणा मिल सकेगी। रेल्वे के मुख्य स्टेशन मैनेजर एन.के. साहू ने कहा कि नशा मानव जीवन का सबसे बड़ा शत्रु है। इसी को ध्यान में रखकर प्रदर्शनी में सुन्दर ढंग से नशे के दुष्प्रभाव के बारे में सचेत किया गया है। ब्रह्माकुमारी बहनों के ऐसे प्रयासों से ही नशामुक्त और स्वस्थ समाज बनाने में मदद मिलेगी।

डिवीजनल कामर्शियल मैनेजर राकेश सिंह ने कहा कि तम्बाकू और उसके उत्पाद का शरीर और मन पर गहरा दुष्प्रभाव पड़ता है। जन जागरूकता के लिए यह सराहनीय प्रयास है। समाज को जागरूक करने का पवित्र कार्य ब्रह्माकुमारी बहनें कर रही हैं। अन्तर्राज्यीय बस टर्मिनल भाठागांव में विधायक मोतीलाल साहू ने कहा कि स्वस्थ समाज बनाने के लिए लोगों को नशा और दुर्व्यसनों से मुक्ति दिलाना जरूरी है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से ब्रह्माकुमारी बहनें लोगों को अच्छे समाज के निर्माण के लिए प्रेरित कर रही हैं। इस उल्लेखनीय कार्य के लिए उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्थान की बहनों को बधाई दी।

ब्रह्माकुमारी संस्थान की रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने कहा कि हमारा शरीर भी एक मन्दिर के समान पवित्र और स्वच्छ है जिसमें चैतन्य आत्मा विराजमान है। इसे दुर्व्यसनों आदि का सेवन कर अपवित्र नही करना चाहिए। उन्होने अभिभावकों को सुझाव देते हुए कहा कि घर में नशे की कोई भी सामग्री नही रखें और स्वयं व्यसनों से मुक्त रहकर अपने बच्चों के आगे अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करें। इस अवसर पर महाचक्र इण्डस्ट्रीज के प्रबन्ध संचालक महेश डोडवानी द्वारा बुजुर्ग और अशक्त लोगों के लिए रायपुर रेल्वे स्टेशन को चार नई व्हील चेयर दान स्वरूप भेंट की गई।

बड़ा मंदिर में आध्यात्मिक प्रयोगशाला के माध्यम से विशेष धार्मिक आयोजन

अष्टमी को अष्ट कर्म के नाश का प्रतीक माना जाता है : सागर महाराज

रायपुर (ए.)। आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर मालवीय रोड रायपुर के जिनालय में पार्श्वनाथ बेदी के समक्ष आध्यात्मिक प्रयोगशाला के माध्यम से 31 मई को अष्टमी तिथि होने के कारण विशेष धार्मिक आयोजन किया जाता है। जिसमे सर्वप्रथम जिनप्रतिमाओं का अभिषेक शांति धारा पूजन अर्घ्य समर्पित किए गए।

जिनालय के पूर्व उपाध्यक्ष श्रेयश जैन बालू ने बताया की प्रतिदिन श्रावक सामुहिक रूप से एकत्रित होकर जिनालय की पार्श्वनाथ बेदी में भगवान पुष्पदंत भगवान को पांडुक शिला में विराजमान किया। मंगलाष्टक पाठ प्रारंभ कर 4 रजत कलशों में शुद्ध प्रासुक जल भरकर श्रीजी का समता भाव पूर्वक अभिषेक किया। रिद्धि सिद्धि सुख शांति प्रदाता शांतिधारा भी की गई जिसे करने का सौभाग्य पलक जैन (बाबूलाल टाकीज) को प्राप्त हुआ। शांति धारा का शुद्ध उच्चारण लोकेश जैन द्वारा किया गया। शांतिधारा पश्चात सभी ने श्रीजी की आरती भक्ति भाव से की विनय पाठ पढ़ सभी ने अभिषेक के दौरान उच्चारित मंत्रों से भक्ति और जिनबिम्ब के स्पर्श से पवित्र गन्धोदक को अपने संचित पापों को क्षय करने की उत्तम भावना से नेत्र और ललाट पर धारण किया। तत्पश्चात अष्ट द्रव्य से सामुहिक पूजा में सर्वप्रथम नवदेवता पूजन एवं भगवान पुष्पदंत भगवान की पूजन कर अष्ट द्रव्य से निर्मित अर्घ्य समर्पित किए । अंत में विसर्जन पाठ पढ़ कर पूजन विसर्जन किया गया।

श्रेयश जैन बालू ने बताया की प्रमाण सागर महाराज ने अष्टमी चतुर्दशी की महत्ता को लेकर शंका समाधान कार्यक्रम में बताया है की अष्टमी को अष्ट कर्म के नाश का प्रतीक माना जाता है और चतुर्दशी को चौदह गुणस्थानों से पार उतरने का माध्यम भी माना जाता है। एक शोध लेख के अनुसार जैसे इस धरती पर दो तिहाई जल भाग और एक तिहाई स्थल भाग है वैसे ही हमारे शरीर के भीतर भी दो-तिहाई ठोस तत्व और एक-तिहाई जल तत्व है। आप मेडिकल से जुड़े इस बात को अच्छी तरीके से समझते होंगे। जिस प्रकार चंद्रमा की कलाओं से समुद्र का जल स्तर घटता बढ़ता है वैसे ही चंद्रमा की कलाओं से हमारा मन प्रभावित होता और हमारे शरीर के अंदर रहने वाले जल तत्व में हीन अधिकता होती है। उसमें एक डायग्राम बनाया हुवा था। अष्टमी, चतुर्दशी, पंचमी, एकादश और प्रन्दहस। इन तिथीओं मे हमारे शरीर के जल तत्व पर उफान आता है । और कहा कि यह अमेरिका में शोध हुवा व अमेरिका में सर्दी के शिकार लोग बहुत ज्यादा है। तो जो सर्दी से ग्रसित लोग हैं उनसे बचने के लिए कहा गया कि इन दिनों में यदि आप उपवास रखें तो आप सर्दी पर विजय प्राप्त कर सकते है। माने इन दिनों आपके शरीर में जल तत्व एक्स्ट्रा है। तो मैंने इसका सार निकाला कि इसका मतलब इन तिथियों में अगर आप उपवास करते हैं तो आप की गर्मी कम बढ़ेगी पानी की कमी कम होगी। हमारे आचार्यों ने एक ऐसी व्यवस्था की कि हम साधना अपनी करें तो किन तिथियों में करें? तो ऐसी स्थितिओं में करो जिससे साधना भी हो जाए और शरीर पर उसका दुष्प्रभाव भी ना पड़े। इसलिए अष्टमी,चतुर्दशी तिथियों पर उपवास और संयम से रहने की बात जैन धर्म के आचार्य,मुनीराज और सभी लोग कहते है।

इस कार्यक्रम में विशेष रूप से ट्रस्टी संजय जैन प्रेमी परिवार सतना, श्रेयश जैन बालू, पूर्व अध्यक्ष संजय नायक जैन,महेंद्र जैन, प्रवीण जैन (जैनम ज्वलर्स) राशु जैन समता कॉलोनी, प्रणीत जैन, पलक जैन, कुमुद जैन, जितेंद्र जैन,उपाध्यक्ष लोकेश जैन आदि उपस्थित थे।

इस दिन रद्द रहेगी ट्रेनें

रायपुर (ए.)। ईस्ट कोस्ट रेलवे के संबलपुर मंडल में संबलपुर - झारसुगुड़ा सेक्शन में सरला रेलवे स्टेशन पर प्री नॉन इंटर लोकिंग 7 से 9 जून तक तथा नॉन इंटर लोकिंग कार्य 11 से 14 जून तक किया जाएगा। इस दौरान रायपुर-टिटलागढ़ और बिलासपुर-टिटलागढ़ रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 08264 बिलासपुर-टिटलागढ़ पैसेंजर 7 से 14 जून तक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 08263 टिटलागढ़-बिलासपुर पैसेंजर 8 से 15 जून तक रहेगी। गाड़ी संख्या 08277 टिटलागढ़-रायपुर पैसेंजर 7 से 14 जून तक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 08278 रायपुर- टिटलागढ़ पैसेंजर 8 से 15 जून तक रद्द रहेगी। रीशेड्यूल की जाने वाली गाड़ी गाड़ी संख्या 20917 इंदौर पुरी एक्सप्रेस 11 जून को इंदौर से 1 घंटे रीशेड्यूल की जाएगी यह गाड़ी 15.00 बजे के स्थान पर 16.00 बजे रवाना की जायेगी।

मर्दों को प्यार के जाल में फंसाकर किसे बेनकाब करने आई है फराह

नेहा शर्मा की वेब सीरीज 36 डेज का ट्रेलर जारी

एक्ट्रेस नेहा शर्मा की मोस्ट पॉपुलर सीरीज 'इल्लीगल' का सीजन 3 ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज हो गया है। इस सीरीज के दो सीजन काफी हिट रहे थे वहीं तीसरे सीजन को भी काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं नेहा शर्मा की एक और अपकमिंग सस्पेंस-थ्रिलर सीरीज 36 डेज़- सीक्रेट इज इंजूरियस टू हेल्थ का ऑफिशियल ट्रेलर भी आज रिलीज कर दिया गया गैय।।

सीरीज में नेहा एक रहस्मय महिला के किरदार में हैं। ट्रेलर की शुरुआत बैकग्राउंड से आवाज आती है हमारी नई टेनेंट मिली थी मुझे। ये सुनकर कोई और पूछता है कैसी है। इसके बाद नेहा शर्मा बिकिनी पहने हुए पूल में उतरती हुई नजर आती हैं। वहीं कुछ पड़ोस के मर्द उन्हें घूरते हुए नजर आते हैं। इसके बाद शो में शारिब हाशमी की एंट्री होती है और वे नेहा से मुलाकात करने के बाद कहते हैं मैं ऋषिकेश जयकर।

इसके बाद फिर बैकग्राउंड से एक फीमेल वॉइस आती है जो कहती है तू भी हर किसी की तरह उसे घास डालने की सोच रहा है क्या। इसके बाद शुरू होती है सस्पेंस से भरी कहानी। नेहा कहती नजर आती हैं किसी को खोने का दर्ज मुझसे बेहतर कोई नहीं समझ सकता। सीरीज में नेहा का नाम फराह है। ट्रेलर में आगे नेहा गन लिए हुए नजर आती हैं। ओवरॉल ट्रेलर फरेब की कहानी बयां करता है और सभी कैरेक्टर झूठ, धोखे और यहां तक कि प्यार के जाल में उलझे हुए नजर आते हैं। अब नेहा फरेब करती हैं या वे खुद विक्टिम हैं ये तो सीरीज के आने के बाद ही पता चल पाएगा। 1 मिनट 40 सेकंड की यह क्लिप दर्शकों को थ्रिल की राइड का वादा करती है।

शो की लीड एक्ट्रेस नेहा शर्मा ने ट्रेलर को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पहेली कैप्शन के साथ शेयर किया है। इसमें लिखा है, हर कहानी के हमेशा 3 साइड होते हैं - आपका साइड, मेरा साइड।।। और सच्चाई। लेकिन क्या होगा अगर सच्चाई रहस्यों की दीवार के पीछे छिपी हो? बता दें कि इस शो का प्रीमियर जल्द ही सोनी लिव पर होगा। सीरीज की अट्रैक्टिल टैगलाइन है, रहस्य को छिपाकर रखना हानिकारक है।

सीरीज की स्टार कास्ट में नेहा शर्मा, पूरब कोहली, श्रुति सेठ, चंदन रॉय सान्याल, शारिब हाशमी, अमृता खानविलकर, सुशांत दिवगिकर और अन्य कलाकार शामिल हैं।

विक्रांत मैसी की ब्लैकआउट का ट्रेलर जारी

सस्पेंस और कॉमेडी से भरपूर हैं फिल्म

पिछले साल अपनी फिल्म '12वीं फेल' की सफलता का आनंद लेने के बाद एक्टर विक्रांत मैसी ने खूब वाहवाही लूटी। इस फिल्म की दर्शकों ने काफी तारीफें की। विक्रांत अब अपनी आगामी क्राइम थ्रिलर कॉमेडी फिल्म ब्लैकआउट की ओटीटी रिलीज के लिए तैयार हैं। फिल्म में मौनी रॉय और सुनील ग्रोवर भी हैं। ब्लैकआउट का ट्रेलर आज पहले सोशल मीडिया पर जारी किया गया था और यह थ्रिलर, सस्पेंस और कॉमेडी की रोलरकोस्टर सवारी है।

आपको बता दें कि विक्रांत मैसी और मौनी रॉय की ब्लैकआउट के निर्माताओं ने यूट्यूब पर ब्लैकआउट का ट्रेलर लॉन्च किया। वीडियो के डिस्क्रिप्शन में लिखा है, एक नॉर्मल सफर को पीड़ित बनाना कोई इनसे (हमसे) सिखे। 2 मिनट 35 सेकंड के ट्रेलर में विक्रांत की कॉमिक टाइमिंग और सह-कलाकार सुनील ग्रोवर के साथ उनकी दोस्ती मुख्य आकर्षण है।

ब्लैकआउट के ट्रेलर की शुरुआत विक्रांत मैसी के साथ होती है, जो पगड़ी और लंबी दाढ़ी रखते हैं क्योंकि वह सोफे पर बैठते हैं। कुछ सेकंड बाद, कोई भी उनके अन्य अवतारों को भी नोटिस कर सकता है। विक्रांत ने लेनी डिसूजा की भूमिका निभाई है, जो एक स्टिंग ऑपरेशन पत्रकार है, जो एक ब्लैकआउट के दौरान एक कार दुर्घटना से मिलता है।

लेनी, जो सुरक्षित है, दूसरी कार में पड़े खजाने का ढेर पाता है और इस तरह बादशाह बनने का उसका लालच शुरू होता है। ट्रेलर में सुनील ग्रोवर और बाद में मौनी रॉय को उनके साथ उनके सफर पर टैग करते हुए दिखाया गया है। एक सीन में लेनी के रूप में विक्रांत कहते हैं, किस्मत इतनी खराब है मेरी, आसमान में पत्थर भी फेखुंगा ना, एस ला एस्ट्रोइड बांके मेरे ऊपर ही गिरेगा। ट्रेलर में एक सीक्वेंस में पुदिन हारा का रेफरेंस भी है।

देवांग शशिन भावसार द्वारा लिखित और निर्देशित, ब्लैकआउट 7 जून, 2024 से जियोसिनेमा पर स्ट्रीमिंग शुरू करेगा। क्राइम थ्रिलर एंटरटेनर निश्चित रूप से आपको अपनी सीटों के किनारे पर रखेगा, क्योंकि आप अप्रत्याशित ट्विस्ट और टर्न देखते हैं।

सन ऑफ सरदार-2 से सोनाक्षी सिन्हा आउट
अब मृणाल ठाकुर की हुई अजय देवगन की फिल्म में एंट्री

अजय देवगन की साल 2012 में आई कॉमेडी ड्रामा फिल्म सन ऑफ सरदार तो सभी को याद होगी। सन ऑफ सरदार साल 2012 की हिट और सक्सेस फिल्मों की लिस्ट में शुमार हुई थी। सन ऑफ सरदार के जरिए अजय देवगन पहली बार पगड़ी पहनकर कैमरे के सामने आए थे और एक्टर की कॉमिक टाइमिंग ने फैंस को खूब हंसाया था। अब 12 साल बाद सन ऑफ सरदार के दूसरा पार्ट यानी सीक्वल की बात लंबे समये से चल रही है। सन ऑफ सरदार 2 से लेटेस्ट अपडेट ये आई है कि अब फिल्म के सीक्वल से सोनाक्षी सिन्हा का पत्ता साफ हो गया है और अब साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में काम करने वाली इस खूबसूरत हसीना की एंट्री हो गई है।

रिपोर्ट्स की मानें तो, सन ऑफ सरदार 2 की कास्टिंग शुरू हो गई है और इस बार अजय देवगन के साथ सोनाक्षी सिन्हा नहीं बल्कि मृणाल ठाकुर रोमांस करेंगी। अगर ऐसा हुआ तो यह पहली बार होगा जब अजय और मृणाल एक साथ पर्दे पर काम करेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सन ऑफ सरदार 2 की स्टोरी के हिसाब से सोनाक्षी इसमें फिट नहीं दिख रही हैं।

लेकिन, अभी तक इस मृणाल के फिल्म में आने और सोनाक्षी के फिल्म से जाने पर मेकर्स की प्रतिक्रिया नहीं आई है। कहा जा रहा है कि आने वाले कुछ समय में अजय देवगन फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे। फिलहाल अजय एकशन डायरेक्टर रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की फिल्म सिंघम अगेन की शूटिंग कर रहे हैं। वहीं, सन ऑफ सरदार 2 में संजय दत्त की जगह सनी देओल ले सकते हैं।

माटी से बंधी डोर में अपने किरदार को कर रही खूब एन्जॉय : रुतुजा बागवे

माटी से बंधी डोर में वैजनाती (वैजू) के रोल में नजर आने वाली रुतुजा बागवे ने बताया कि वह महाराष्ट्र की होने के चलते अपने किरदार को खूब एन्जॉय कर रही हैं।

रुतुजा ने कहा, असल जिंदगी में महाराष्ट्र की होने के चलते मुझे वैजू का किरदार निभाने में मजा आ रहा है, क्योंकि वैजू खुद एक मराठी मुलगी है। दर्शकों को वैजू के किरदार में रुतुजा की कुछ झलक देखने को मिलेगी।

रुतुजा ने कहा, बेशक! मैं हिंदी शो कर रही हूं, लेकिन मैं अपने डायलॉग में मराठी टच देती हूं। मुझे वैजू का किरदार बेहद पसंद है। वह दबंग, मजबूत और निडर है। मैं असल जिंदगी में भी वैजू के किरदार से जुड़ाव महसूस करती हूं।

रुतुजा चंद्र आहे साक्षीला, नंदा सौख्य भरे और स्वामिनी जैसे शो के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, वैजू के किरदार से मुझे सीख मिलती है कि जो सही है उसके लिए लड़ते रहो। आत्मनिर्भर बनो और निडर रहो। शो में अंकित गुप्ता रणविजय की भूमिका में हैं।

कोल्ड ड्रिंक के बजाय गर्मियों में पिएं ये फ्रूट जूसेस

चिलचिलाती गर्मी के मौसम में थक गए हैं, तो कोल्ड ड्रिंक के बजाय मौसमी फलों से बने जूस को पीकर अपनी प्यास बुझाएं। यह फल आपको तरोताजा महसूस करवाने के साथ ही शरीर को ठंडा रखते हैं। आइये जानें इनकी रेसिपी।

स्ट्रॉबेरी तुलसी कूलिंग ड्रिंक एक गिलास में ताजी स्ट्रॉबेरी को तुलसी की पत्तियों के साथ मसल लें। इसमें थोड़ा सा नींबू का रस और थोड़ा सा शहद मिलाएं। फिजी ट्रीट के लिए बर्फ के टुकड़े और थोड़ा सोडा/स्पार्कलिंग पानी मिलाएं।

जामुन कूलर जामुन अपने एंटीऑक्सीडेंट और कूलिंग गुणों के लिए जाना जाता है, जो गर्म मौसम के दौरान शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है। इसके अलावा, जामुन इंसुलिन संवेदनशीलता और उच्च शर्करा को प्रबंधित करने में भी मदद करता है। इस ड्रिंक को बनाने के लिए बस पके हुए जामुनों को नींबू के रस, सेंधा नमक और थोड़े से शहद के साथ मिलाएं। मिश्रण को छान लें और बर्फ के टुकड़ों के ऊपर डालें। ताजा स्वाद के लिए कुछ पुदीने की पत्तियों से गार्निश करें।

पाइनएप्पल जिंजर जूस इस रिफ्रेशिंग ड्रिंक को बनाने के लिए, ताज़ा अनानास के टुकड़ों को कसे हुए अदरक और नींबू के रस के साथ मिलाएं। मिश्रण को छान लें और बर्फ के ऊपर डालें। चीनी और सेंधा नमक डालकर सजाएं और आनंद लें! तरबूज का जूस इस आसान ड्रिंक रेसिपी को बनाने के लिए, तरबूज के टुकड़ों में थोड़ा शहद, नीबू का रस, काली मिर्च और सेंधा नमक मिलाएं। बर्फ के टुकड़े डालकर परोसें और आनंद लें!

आम पन्ना कच्चे आमों को नरम होने तक उबालें, फिर छीलकर गूदे की प्यूरी बना लें। गूदे को पानी, चीनी या गुड़, भुना जीरा पाउडर, काला नमक और पुदीने की पत्तियों के साथ मिला लें। एक्स्ट्रा कूलिंग के लिए बर्फ के टुकड़े डालकर परोसें। कच्चा आम विटामिन सी और फाइबर और बीटा-कैरोटीन जैसे एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो डाइजेशन को बढ़ावा देने में मदद करता है और गर्मियों में शरीर को ठंडा रखता है। बेल शर्बत बेल शर्बत एक क्लासिक इंडियन ड्रिंक है, जो पके बेल के फल से गूदा निकालकर बनाया जाता है। इसमें चीनी या गुड़, एक चुटकी काला नमक और थोड़ा सा भुना हुआ जीरा पाउडर मिलाएं। अच्छी तरह हिलाएँ और ठंडा-ठंडा परोसें।

कोटा फैक्ट्री सीजन-3 की रिलीज डेट आई सामने

जितेंद्र कुमार की कोटा फैक्ट्री मोस्ट पॉपुलर सीरीज है। इस वेब शो के दो सीजन बेहद हिट रहे और अब फैंस इसके तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ये वेब शो कोटा में आईआईटी-जेईई और एनईईटी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों की स्टोरी पर बेस्ड है। 2019 में इसका पहला सीजन यूट्यूब पर शुरू हुआ और इसे इतनी पॉपुलैरिटी मिली कि साल 2021 में नेटफ्लिक्स ने इसके दूसरे सीजन को रिलीज किया।

अब जल्द ही इस सीरीज का तीसरा सीजन भी रिलीज होने वाला है। चलिए जानते हैं कोटा फैक्ट्री का तीसरा सीजन कब और कहां देखा जा सकता है? बता दें कि इस साल फरवरी के महीने में, नेटफ्लिक्स ने छात्रों और शिक्षकों के सामने आने वाली नई चुनौतियों को प्रदर्शित करते हुए कोटा फैक्ट्री के तीसरे सीजन की झलक शेयर की थी। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गया था। अपनी पेंसिलें तेज कर लें, और सारे फॉर्मूले याद रखें- जीतू भैया और उनके छात्र अब तक की सबसे बड़ी चुनौती के लिए तैयार हो रहे हैं।

वहीं अब इस मोस्ट अवेटेड सीरीज की रिलीज डेट भी आ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, कोटा फैक्ट्री सीजन 3 सीरीज जून में रिलीज हो सकती है। हालांकि अभी एक्चुअल तारीख का पता नहीं चल पाया है। लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक सूत्र से जानकारी मिली है कि सीजन 3 को जून के दूसरे या तीसरे हफ्ते में ओटीटी पर रिलीज किया जा सकता है।

बता दें कि कोटा फैक्ट्री को राघव सुब्बू द्वारा निर्देशित किया गया है। ये द वायरल फीवर के लिए अरुणाभ कुमार द्वारा निर्मित है। कोटा फैक्ट्री कोटा, राजस्थान के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) के लिए बेहद कंपटीटीव एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर रहे छात्रों के जीवन पर बेस्ड है। कोटा फैक्ट्री सीजन 3 स्टारकास्ट की बात करें तो इस वेब शो में जितेंद्र कुमार और अहसास चन्ना के अलावा आलन खान, मयूर मोरे, रंजन राज जैसे स्टार्स नजर आएंगे। वहीं इस बार शो में तिलोत्मा शोम भी अहम किरदार में नजर आएंगें। बता दें कि इस सीरीज के अलावा जितेंद्र वेब सीरीज पंचायत 3 में भी नजर आने वाले हैं। पंचायत 3 इस महीने 31 मई को रिलीज हो रही है।

खास खबर

बाल मधुमेह पर राजधानी रायपुर में कार्यशाला आयोजित

रायपुर। बच्चों में मधुमेह की समस्या पर आज छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के एक प्राइवेट अस्पताल में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मधुमेह के बाल मरीजों और उनके अभिभावकों ने भी हिस्सा लिया। समाजसेवी संस्था' डॉक्टर्स ऑन स्ट्रीट (दोस्त) द्वारा आयोजित इस एक दिवसीय कार्यशाला के प्रमुख प्रशिक्षक डॉ सत्यजीत साहू ने बाल मधुमेह के कारणों बताते हुए उसके इलाज के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बचपन से ही होने के कारण बाल मधुमेह के रोगियों के साथ ही उनके परिवारों को भी इस बीमारी को समझने में काफी परेशानी होती है। डॉ. साहू ने आगे कहा कि धैर्य रखकर समझने से परिवारजन इस बीमारी के साथ जीना सीख लेते हैं और तब यह बीमारी एक लाइफ्स्टाइल का रूप ले लेती है। आहार प्रशिक्षक साक्षी सिंह ने खान-पान में सावधानियों के बारे में बताया। उन्होंने कैलोरी की मात्रा और कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और फैट के संतुलन के बारे में जानकारी दी, साथ ही पौष्टिक फलों की भी ज़रूरत बताई। इस मौके पर पूजा सोनी को बाल मधुमेह का ब्रांड एम्बेसडर चुना गया। बाल मधुमेह से पीड़ित बच्चों के अभिभावकों से समाज सेविका लक्ष्मी सोनी ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए जागरूकता और समझदारी की ज़रूरत को रेखांकित किया। इंसुलिन टेकनीक के बारे में सिस्टर ममता और सिस्टर रिंकी ने बताया। कार्यशाला में यौगिक जीवनशैली और कौशिकी नृत्य के लाभ के बारे में छत्तीसगढ़ी महिला समाज की प्रदेश अध्यक्ष मालती परगनिहा ने प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम के संयोजक एडवोकेट संतोष ठाकुर ने डॉ सत्यजीत साहू के नेतृत्व में समाजसेवी संस्था 'दोस्त' और प्रोग्रेसिव यूटिलाइजेशन ऑफ रिसर्च एंड इकोनॉमिक्स (प्योर) की टीम के सामाजिक प्रकल्पों की जानकारी दी।

विश्व धुम्रपान निषेध दिवस के अवसर पर दिलाई गई नशामुक्ति की शपथ

कांकेर। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार समाज कल्याण विभाग द्वारा 31 मई को धुम्रपान निषेध दिवस के अवसर पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाज कल्याण विभाग की उपसंचालक श्रीमती क्षमा शर्मा ने बताया कि धुम्रपान के हानिकारक प्रभावों के प्रति जनसाधारण को जागरूक करना तथा धुम्रपान निषेध के प्रति जनचेतना विकसित करना है। हमारा लक्ष्य धुम्रपान के हानिकारक प्रभावों के बारे में व्यापक जनचेतना विकसित करना तथा समाज को स्वच्छ जीवन शैली अपनाने को प्रेरित करना है। जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सभी वर्ग के लोगों को नशामुक्ति हेतु शपथ भी दिलाई गई। साथ ही जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों तथा जिले में संचालित नशामुक्ति केन्द्र में रह रहे व्यक्तियों को नशा से स्वयं को दूर रहने एवं अन्य लोगों को नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने हेतु शपथ दिलाई गई।

पहली बार 3 सौ से अधिक आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने विकास के मुद्दे पर अपना पक्ष रखा

बीजापुर। कलेक्टर अनुराग पाण्डेय ने आदिवासी बाहुल्य जिला बीजापुर के चहूंमुखी विकास ने सबकी भागीदारी तय करने एवं आपसी सामंजस्य और सहयोगात्मक भावना के साथ बीजापुर जिले को अन्य जिलों की तरह विकसीत बनाने यहां की बहु प्रतीक्षीत मांगों एवं यहां के विकास विरोधी गंभीर समस्याओं पर व्यापक चर्चा किया। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, स्वरोजगार, आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत दी जाने सुविधाएं, जिले के शैक्षणिक संस्थान, आश्रम, छात्रावास, पोटाकेबिन, स्कूलों की व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार करने, अंदरूनी क्षेत्रों, शिक्षा स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, बिजली जैसे सुविधाओं के विकास पर सकारात्मक चर्चा हुई। आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने बैठक को सकारात्मक बताते हुए समाज और प्रशासन के मध्य इसी तरह के विचार अभिव्यक्ति एवं संवाद निर्मित होने से जिले के विभिन्न समस्याओं का हल सुगमतापूर्वक निकलने की बात कही एवं प्रशासन और समाज के प्रति दूरियां मिटेगी जिससे विकास की गति में तेजी आएगी और सकारात्मक वातावरण निर्मित होगा। जिला प्रशासन द्वारा आदिवासी युवाओं को उद्यमिता विकास से जोड़ने की पहल की सराहना की। बैठक में संयुक्त कलेक्टर कैलाश वर्मा, एसडीएम बीजापुर जागेश्वर कौशल, डिप्टी कलेक्टर उत्तम सिंह पंचारी, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास केएस मशराम, जग्गूराम तेलामी, अध्यक्ष सर्वआदिवासी समाज कमलेश पैंकरा, सचिव सर्वआदिवासी समाज सुकल साय तेलाम, मुरिया समाज अध्यक्ष। सालिक नागवंशी, सीएस नेताम, भवसिंह सीताराम मांझी, कुंवर सिंह सहित 3 सौ से अधिक जिले भर के आदिवासी समुदाय के प्रतिनिधि मौजूद थे।

हमारी मेहनत, कार्य कुशलता, प्रबंधन क्षमता की चर्चा हर जगह होती है : किरण देव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने एक बार फिर यह अटूट विश्वास व्यक्त किया है कि देश की जो भावना मोदी के साथ जुड़ी है, वह अभूतपूर्व है और हम जन सहयोग से छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीटों पर विजय प्राप्त करेंगे, यह तय है। किरण देव शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में आहूत बैठक को संबोधित कर रहे थे। विदित रहे, किरण देव के साथ ही लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक शिवरतन शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, भरत वर्मा एवं जगदीश रामू रोहरा की उपस्थिति में लोकसभा क्लस्टर प्रभारी, लोकसभा प्रत्याशी, जिला अध्यक्ष, लोकसभा संयोजक, प्रभारी की बैठक रखी गई थी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि हमारी मेहनत, कार्य कुशलता, प्रबंधन क्षमता अद्भुत है। इसकी चर्चा सभी जगह होती है। यह अन्य राज्यों में प्रचार के लिए जब छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ता गए तो झारखंड और ओड़िशा के नेताओं ने सार्वजनिक तौर पर कही। प्रदेश के कार्यकर्ताओं ने माइक्रो लेवल तक जनता के बीच जाकर कार्य किया और रात 2 बजे तक चुनाव प्रबंधन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। हम इसी विश्वास के साथ मोदी का हाथ मजबूत करने छत्तीसगढ़ की सभी सीटे जीतेंगे।

लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक शिवरतन शर्मा ने कहा भाजपा ने पूरे चुनाव में बहुत मेहनत की है, लेकिन मतगणना भी चुनाव प्रबंधन का ही हिस्सा है। कई बार कुछ नतीजे बहुत नजदीकी होते हैं। हमें स्पष्ट ध्यान रखना है कि कोई तकनीकी गलती न हो। गणना की सूक्ष्म मॉनीटरिंग के लिए विधानसभा के प्रभारी भी बनाए जाने चाहिए। शर्मा ने मतगणना की तैयारी हेतु आवश्यक मार्गदर्शन देते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता स्ट्रांग रूम की निगरानी करने में सन्नद्ध रहें। मतगणना अभिकर्ता सरपंच, उप-सरपंच, वार्ड मेंबर नगर निगम पार्षद हो सकते हैं। प्रत्येक काउंटिंग टेबल हेतु एक मतगणना अभिकर्ता की नियुक्ति की जा सकती है। मतगणना अभिकर्ता की नियुक्ति लोकसभा अभ्यर्थी या उसके निर्वाचन अभिकर्ता के द्वारा प्रारूप-18 पर हस्ताक्षर कर रिटर्निंग ऑफिसर अथवा सहायक रिटर्निंग ऑफिसर को प्रस्तुत करने से ही की जा सकेगी। सादे कागज पर आवेदन स्वीकार नहीं होंगे। मतगणना अभिकर्ता द्वारा आधार कार्ड की प्रति तथा पासपोर्ट साइज के दो फोटो देय होंगे। प्रारूप-18 पर मतगणना अभिकर्ता के भी हस्ताक्षर आवश्यक हैं। प्रारूप 18 में आवेदन की दो प्रति बनाई जाएगी एक प्रति लोकसभा अभ्यर्थी के द्वारा रिटर्निंग ऑफिसर अथवा सहायक रिटर्निंग ऑफिसर को मतगणना के लिए निर्धारित तिथि से 3 दिन पहले अर्थात 31/05/2024 को शाम 5:00 बजे तक भेजना आवश्यक है। प्रारूप-18 प्राप्त होने पर रिटर्निंग ऑफिसर अथवा सहायक रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा मतगणना अभिकर्ता को फोटो पहचान पत्र जारी किया जावेगा। दूसरी प्रति मतगणना अभिकर्ता के द्वारा मतगणना स्थल पर पहुंचकर रिटर्निंग ऑफिसर को उपरोक्त फोटो पहचान पत्र के साथ मतगणना प्रारंभ होने के 2 घंटे पूर्व देना होगा तभी वह मतगणना स्थल में प्रवेश कर सकेगा। (सहूलियत के लिए आधार कार्ड साथ रखें) केवल रिटर्निंग ऑफिसर, लोक सभा अभ्यर्थी या उसके निर्वाचन अभिकर्ता ही सभी टेबल में घूम सकते हैं अन्य कोई भी नहीं।

लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक शर्मा ने कहा कि मतगणना 4 जून को प्रात: 8 बजे प्रारंभ हो जाएगी। मतगणना अभिकर्ता को 1 घंटे पूर्व 7 बजे मतगणना स्थल पर पहुंचना अति आवश्यक है। सर्वप्रथम ईवीएम की सील चेक करना आवश्यक है। ईवीएम के सीरियल नंबर का मिलान किया जाना है। प्रत्येक राउंड में कम से कम एक बार ईवीएम के मतों की वीवीपैट से निकली पर्ची से मिलान करवाएं। ईवीएम मशीन में दर्शित हो रही मतगणना व बूथवार वोट की जानकारी एवं अपडेट सूची प्राप्त करें। प्रत्येक राउंड की गणना के पश्चात गिने हुए मतों की जानकारी अभ्यर्थी व निर्वाचन अभिकर्ता को दें। मतगणना से पूर्व मतगणना एजेंट का प्रशिक्षण अनिवार्य है इसे 4 जून से कम से कम 2 दिन पूर्व अर्थात 2 जून को पूर्ण किया जाना है।

कार्यक्रम का संचालन महामंत्री रामू रोहरा ने किया वह आभार प्रदर्शन महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने किया।

स्कूल में बच्चों का बौद्धिक, शारीरिक, मानसिक एवं सर्वांगीण विकास होना चाहिए : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में शाला उत्सव एवं शिक्षण कार्यों के संबंध में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर समीक्षा की। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि स्कूल पठन-पाठन, अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ खेल कूद और अन्य पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं का केन्द्र होना चाहिए। स्कूलों में शिक्षक ऐसा वातावरण बनाये जैसे पहले गुरूकुल में हुआ करता था। स्कूल में बच्चों का बौद्धिक, शारीरिक, मानसिक एवं सर्वांगीण विकास होना चाहिए। बच्चों एवं शिक्षकों में रचनात्मक गतिविधियां बहुत होती है इसे स्कूलों में करने कहा। बच्चों को अपने आस-पास के वातावरण को कैसे साफ-सफाई एवं स्वच्छ रखें इसकी जानकारी देनी चाहिए। स्कूलों में स्वच्छ वातावरण बनाएं जिससे सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न हो। उन्होंने स्कूलों में सकारात्मक वातावरण बनाने कहा। उन्होंने स्कूलों में नियमित अभिभावकों की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, वृक्षारोपण, खेत का पानी खेत में ही रूके, गांव का पानी गांव में ही रूके, फसल चक्र करना, कम पानी वाली फसलों का उपयोग करने जैसे बातों को बच्चों को बताने कहा। जिससे बच्चों का ज्ञान बढ़ेगा और उनके जीवन में काम आएगा।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि नये शिक्षण सत्र शुरू होने के पहले सभी बच्चों को पाठ्यपुस्तक, गणेवश एवं सायकल मिल जानी चाहिए। जिससे बच्चे को शुरू से ही पढ़ाई करने में आसानी हो सके। उन्होंने कहा कि पर्यावरण में परिवर्तन होते जा रहा है। इसके लिए जल संरक्षण एवं संवर्धन, वृक्षारोपण, फसल चक्र, कम पानी लगने वाली फसलों को प्रोत्साहित करना एवं उपयोग करने कहा और बच्चों को इसके संबंध में शिक्षा भी देना है। उन्होंने कहा कि शासकीय स्कूलों के शिक्षक एवं शासकीय हॉस्पिटल के डाक्टरों में अनुभव और ज्ञान बहुत होता है। इसका सही तरीके से उपयोग करने की जरूरत है। स्कूलों में संसाधनों की कमी नहीं है इसका सही तरीके से उपयोग करने की जरूरत है। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिले के शासकीय स्कूलों में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण करने कहा। सभी स्कूलों में ग्रीन स्कूल की तर्ज पर वृक्षारोपण करने कहा और इसके साथ जल संरक्षण के उपाय करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूलों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए कार्ययोजना बनाकर देने कहा। जिससे पानी का संरक्षण किया जा सके। उन्होंने महिला एवं विकास विभाग के अधिकारियों को सुपोषण की श्रेणी में लाने के लिए बच्चों का चिन्हांकन उन्हें पौष्टिक आहार नियमित प्रदान करने कहा।

सीईओ जिला पंचायत सुरूचि सिंह ने सभी शासकीय स्कूलों भौतिक जानकारी भेजने कहा। जिससे वहां की जरूरतों को पूरा किया जा सके। उन्होंने जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए रैन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए प्लान करने कहा। जिससे बारिश एवं वेस्टेज पानी का संरक्षण कर सके। उन्होंने स्कूलों के बच्चों को ओडीएफ मित्र बनाने कहा। उन्होंने कहा कि स्कूलों में वृक्षारोपण करना है, जिसके लिए प्लान करने कहा।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिले में हुए विविध कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 31 मई के अवसर पर जिला सरगुजा में शासकीय एवं निजी संस्थानों के द्वारा जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी कड़ी में सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर, नवा बिहान एवं सरगुजा के सामाजिक संस्थाओं के द्वारा नशा मुक्ति के लिये जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पुलिस अधीक्षक सरगुजा विजय अग्रवाल ने कहा कि हम सभी को पहले स्वयं एवं अपने घर को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लेना होगा। इसके बाद ही आप दूसरों को प्रेरित कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं में नशा आजकल तेजी से बढ़ रहा है और यह कई तरह का है। हमें यह समझना जरूरी है कि नशा एक बीमारी ही नहीं बल्कि एक मानसिक विकृति है और जो इसका सेवन करते हैं उनमें कई तरह के बदलाव आ जाते हैं जो समाज के लिये घातक है। नशा करने से सिर्फ वह व्यक्ति ही प्रभावित नहीं होता जो इसका सेवन करता है अपितु समस्त परिवार प्रभावित होते हैं। उन्होंने सभी से तम्बाकू सेवन ना करने एवं नशे से दूर रहने की अपील की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर एन गुप्ता ने तम्बाकू के सेवन से व्यक्ति को होने वाले दुष्परिणाम के बारे में बताया। कार्यक्रम मे बीएड प्रशिक्षणार्थियों ने गीत, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे से समाज एवं परिवार में होने वाली परेशानियों को बताया। एसपी अग्रवाल ने सभी को तम्बाकू निषेध सम्बन्धी शपथ दिलाई गई।इस दौरान आमजनों को तंबाकू सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करने,2003 के तहत प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तम्बाकू उत्पाद के क्रय-विक्रय पर पूर्णत: प्रतिबंध के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई।

नौतपा में बढ़ा तापाघात का खतरा, एडवायजरी जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। ग्रीष्म कालीन मौसम प्रारंभ होने तथा नौतपा शुरू होते ही लोग प्रचंड गर्मी के हालात को लेकर लोग हलाकान हो रहे है। नौतपे में चल रही तापाघात (लू) के कारण लोगों के स्वास्थ्य में भी असर दिख रहा है, अस्पतालों में डीहाईड्रेशन के तथा तापाघात लगने के मामले बढने लगे हैं, जो कि घातक या जानलेवा हो सकती है।

कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन. केशरी ने जिले के नागरिकों से कहा है कि गर्मी के मौसम में तापाघात से बचाव हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी निर्देशों व परामर्श को अपनाएं तथा स्वयं और अपने परिवार को सुरक्षित रखें। डॉ. केशरी ने तापाघात के संबंध में बताया कि जिले में लगातार मौसम परिवर्तन के बाद अब धूप गर्मी एवं नौतपा प्रारंभ हो गई है, जिसके कारण तापाघात लगने की संभावना बढ़ गई है। सूर्य की तेजगर्मी के दुष्प्रभाव से शरीर के तापमान में विपरीत प्रभाव पड़ता है जिससे शरीर में पानी, खनिज लवण और नमक की कमी हो जाती है इसे तापाघात लगना या हीट-स्ट्रोक कहा जाता है। पर्याप्त मात्रा में पानी एवं पेय पदार्थो का सेवन ना करने से व्यक्ति निर्जलीकरण के शिकार हो सकते हैं तथा समय पर उपचार ना मिलने से स्वास्थ्यगत् समस्याएं भी हो सकती है।उन्होंने तापाघात से सतर्क रहने हेतु गर्मी के दिनो में हमेशा घर से बाहर जाते समय सफेद सूती या हल्के कपड़े पहनने, भोजन कर तथा पानी पीकर ही बाहर निकलने, गर्दन के पिछले भाग कान एवं सिर गमछे से ढककर ही निकलने, छतरी एवं रंगीन चश्मे का प्रयोग करने गर्मी में अधिक मात्रा में पानी पीने, ज्यादातर पेय पदार्थों का सेवन करें, अनावश्यक बाहर ना जाने, बच्चों बुजुर्गो व गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखने, उन्हें समय-समय पर पानी पीने के लिए प्रेरित करने एवं सुपाच्य भोजन एवं तरल पदार्थों का सेवन कराने, अधिक समय तक धूप में व्यायाम तथा मेहनत का काम ना करने, धूप में नंगे पॉव ना चलने आदि सावधानियों को अपना कर स्वयं को तापाघात से बचने हेतु परामर्श दिया।

तापाघात का शिकार होने पर व्यक्ति में सिरदर्द, बुखार, उल्टी, अत्यधिक पसीना आना, बेहोशी आना, चक्कर आना, सांस फूलना, दिल की धडकन तेज होना, कमजोरी महसूस होना, शरीर में ऐंठन तथा त्वचा लाल एवं सूखी होना आदि लक्षण होते हैं। तापाघात से बचावतापाघात होने पर रोगी को छायादार स्थान पर लिटायें एवं गीले कपड़े से हवा करें। रोगी के बेहोश होने की स्थिति में उसे कोई भी भोज्यध्पेय पदार्थ न दें एवं तत्काल चिकित्सा सेवायें उपलब्ध कराएं। रोगी के होश में आने की स्थिति में उसे ठंडे पेय पदार्थ, जीवन रक्षक घोल, कच्चा आम का पना आदि का सेवन कराएं। रोगी के शरीर के तापमान को कम करने के लिए उसके शरीर पर ठंडे पानी की पट्टियाँ रखें।

मुंबई की काम्या कार्तिकेयन ने रचा इतिहास, 16 साल की उम्र में फतह किया माउंट एवरेस्ट

नईदिल्ली(एजेंसी)। मुंबई की रहने वाली 16 साल की काम्या कार्तिकेयन ने इतिहास रच दिया. उन्होंने हाल ही में माउंट एवरेस्ट चढ़ने का खिताब अपने नाम कर लिया. इसी के साथ वह भारत की सबसे कम उम्र की और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र लड़की बन गईं, जिसने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट को फतह किया हो. काम्या का कहना है कि, मैंने हाल ही में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की. मैं नेपाल की ओर से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की लड़की और सबसे कम उम्र की भारतीय बन गई हूं.

काम्या कार्तिकेयन का कहना है कि, यह बहुत लंबे समय से मेरा सपना रहा है, आखिरकार इसे हासिल करना और सुरक्षित वापस आना मेरे लिए सुखद और अच्छा रहा. उन्होंने कहा कि जब मैं 7 साल की थी तब मैंने अपना पहला हिमालयी ट्रेक किया था, तभी से मुझे ट्रैकिंग का शौक लग गया. काम्या कहती हैं कि 2017 में मैंने एवरेस्ट बेस कैंप तक ट्रैकिंग की. माउंट एवरेस्ट मेरे लिए 7 शिखरों में से छठा था. बता दें काम्या कार्तिकेयन के पिता भारतीय नौसेना में एक अधिकार हैं. काम्या मुंबई के नेवी चिल्ड्रन स्कूल में बारहवीं की छात्रा हैं उनके पिता एस. कार्किकेयन भारतीय नौसेना में एक अधिकारी हैं. बता दें कि उनके साथ उनके पिता ने भई माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी. उन्होंने 20 मई 2024 को नेपाल के रास्ते माउंट एवरेस्ट को सफलतापूर्वक फतह कर लिया. काम्या ने सात महाद्वीपों में से छह सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ाई करने में सफलता पाई है. काम्या का लक्ष्य इस साल दिसंबर में अंटार्कटिका के माउंट विंसन मैसिफ पर चढ़ना है. जिससे वह वह दुनिया की सात सबसे ऊंची चोटियों को फतेह करने की चुनौती को पूरा करने वाली सबसे कम उम्र की लड़की बन जाएं.

काम्या कार्तिकेयन ने भले ही 16 साल की उम्र में माउंट एवरेस्ट फतह किया हो लेकिन उनका ये शौक बचपन का है. जब वह महज तीन साल की थीं तब से ही उन्हें ट्रैकिंग का शौक लग गया था. जब वह सात साल की हुईं तो वह अपने माता-पिता के साथ उत्तराखंड के एक शिखर को फहत करने पहुंच गईं थी. जब वह 9 साल की थीं तब उन्होंने लद्दाख की चोटी को फतह करने में सफलता पाई थी. बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी भी 'मन की बात' में काम्या की उपलब्धियों का उल्लेख कर चुके हैं.

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
K. Satyanarayan
Mo.9300771925, 0788-4030919

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

गरियाबंद जिला अस्पताल में फटा एसी का कंप्रेसर, मैकेनिक बुरी तरह झुलसा

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिला अस्पताल में एसी की सर्विसिंग के दौरान कंप्रेसर फटने मैकेनिक बुरी तरह से झुलस गया। मैकेनिक दीपेश राणा (35) गैस रिफिलिंग कर रहा था। इसी दौरान लीकेज होने से गैस केन फट गई। धमाके की आवाज दूर तक सुनाई पड़ी। दीपेश को चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। इलाज के लिए उसे रायपुर रेफर कर दिया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक गरियाबंद जिला अस्पताल प्रबंधन ने,ष्ट में गैस डालने 3 मैकेनिकों को बुलाया था। गैस भरते वक्त यह हादसा हो गया। गैस केन के फटने से अफरा तफरी मच गई। घायल मैकेनिक को इलाज के लिए भर्ती कराया गया। मामले में डॉक्टर हरीश चौहान ने कहा कि आरंभिक उपचार के बाद घायल को रायपुर रेफर किया गया है। गैस भरते वक्त यह हादसा हुआ है।

बस्ती के गौठान में आग लगी दो दमकल टीम ने बुझाया

जांजगीर चांपा। ग्राम बस्ती बाराद्वार में स्थित गौठान में गुरुवार की दोपहर अधिक गर्मी पड़ने से पैरावट में आग लग गई। इससे गौठान में रखा पैरा जल गया। जानकारी के अनुसार वेयर हाउस गोदाम के पीछे स्थित ग्राम पंचायत बस्ती बाराद्वार के गौठान में 30 मई की दोपहर 2 बजे अचानक आग की लपटे दिखाई देने लगी। ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया व 112 टीम को आगजनी की सूचना दी, जिसके बाद बाराद्वार 112 के आरक्षक विजय सांडिल्य व ड्राइवर भुवनेश्वर राठौर बस्ती बाराद्वार के गौठान पहुंचे।

उसके बाद 112 टीम ने जिला सक्ती व जिला जांजगीर चांपा के फायर ब्रिगेड को सूचना दी। 45 मिनट बाद सक्ती व जांजगीर चांपा से फायर ब्रिगेड मशीन बाराद्वार के गौठान पहुंची व एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। ग्राम बस्ती बाराद्वार के गौठान से लगकर ही वेयर हाउस के बड़े बड़े गोदाम बने हुए है, जहां हमेशा लाखों टन चांवल भरा हुआ रहता हैं। गौठान में आग लगने के बाद दोनों दमकलों के समय पर पहुंचने के साथ आग पर काबू पा लिया गया अन्यथा गौठान के एकदम बगल में ही स्थित वेयर हाउस के गोदामों पर आग पहुंचने से बडा हादसा के अलावा बडा नुकसान हो सकता था।

खाना मांगने पर विवाद जीजा ने साले को पीटा

सारंगढ़। नगर के वार्ड क्रमांक 13 में गर्मी की छुट्टी में अपने मायके आयी बहन से भाई ने दोपहर का खाना मांगा। इस बात पर दोनों के बीच कहा-सूनी होने ली। इस बीच युवक की उसके जीजा ने डंडे से? पिटाई कर दी। इसके बाद कांच की बोतल मारकर सिर फोड़ दिया। पीड़ित ने सिटी कोतवाली थाने में जीजा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पीड़ित विजय सिंह ने बताया कि वह रायगढ़ के एनजीओ में कार्यरत है। उसकी छोटी बहन सुमन सिंह और जीजा हरेन्द्र सिंह 27 मई को सारंगढ़ घूमने आए थे। 29 मई की दोपहर लगभग तीन बजे विजय ने बहन सुमन से खाना मांगा। बहन खाना लेकर नहीं आई तो विजय उसे डांटने लगा।

इस पर उसके जीजा हरेन्द्र भड़क गया और विजय से गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस बात पर दोनों के बीच विवाद होने लगा। इस के बाद जीजा ने बांस के डंडे से पीठ पर और कांच की बोतल से सिर पर हमलाकर कर विजय को घायल कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर सिटी कोतवाली पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

अंधेकत्ल का खुलासा

पत्नी ने बेटे-भतीजे के साथ मिलकर की पति की हत्या, 6 दिन बाद सुलझा केस

आमानाका थाना क्षेत्र में हुई गार्ड की हत्या का मामला, तीन नाबालिग सहित पांच आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आमानाका थाना क्षेत्र में हुई गार्ड की हत्या का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस के लिए अंधेकत्ल की गुत्थी सुलझाना काफी चुनौतीपूर्ण था। गार्ड की हत्या करने वाले कोई और नहीं बल्कि उसके सगे संबंधी निकले। गार्ड की पत्नी ने अपने नाबालिग बेटे, भतीजे और दो अन्य सुपारी किलर की मदद से इस पूरी वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने इस मामले में तीन नाबालिग सहित कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

बता दें 24 मई को टाटीबंध ब्रिज के पास एक नाले में लाश मिली थी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त चंगोराभाठा निवासी कल्याण यादव (51) के रूप में की। पुलिस को बॉडी के सिर और कान में चोट के निशान मिले थे। शक था कि हत्यारे ने किसी भारी और धारदार समान से उस पर वार किया, जिससे मौत हो गई। फिर लाश को नाले में फेंक दिया। शुरुआती जांच में ही हत्या का प्रकरण दर्ज कर इसकी विवेचना की जा रही थी। मृतक कल्याण आमानाका इलाके के एक ट्रक गैरेज में गार्ड था। लाश गैरेज से कुछ ही दूरी पर नाले में पाई गई थी। हत्या की गुत्थी सुलझाने पुलिस लगातार संदिग्धों से पूछताछ कर रही थी लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया। आखिरका एक क्लू के सहारे 6 दिन बाद पुलिस हत्यारों तक पहुंची।

विवेचना के दौरान पुलिस को पता चला कि कल्याण यादव अपनी पत्नी रोहिणी यादव और शादीशुदा साली के चरित्र पर शंका करता था। इस बात को लेकर अक्सर घर में इनके बीच विवाद होता था। विवाद के कारण उसकी पत्नी ने उसे छोड़ दिया और अपने नाबालिग बेटे के साथ अलग रहने लगी। वहीं कल्याण यादव की साली रानी यादव अपने परिवार के साथ भिलाई में रहती थी। उसके बेटे आदित्य यादव (22) को यादव को यह पता चल गया था कि कल्याण यादव उसकी मां के चरित्र को लेकर गलत बातें करता है।

पुलिस ने की बारी बारी पूछताछ तो खुला मामला

इस बात को लेकर आदित्य की कल्याण यादव से मारपीट भी हुई थी। पुलिस को जब यह सब पता चला तो उसने सभी को हिरासत में लेकर बारी बारी पूछताछ की। पूछताछ में सच्चाई बाहर आ गई। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि कल्याण यादव की पत्नी रोहणी ने अपने भतीजे आदित्य यादव और नाबालिग बेटे के साथ मिलकर पूरी हत्या की प्लानिंग की। इसके लिए आदित्य ने खुर्सीपार के दो नाबालिग लड़कों को 50 हजार रुपए देने की बात कहकर अपने प्लान में शामिल किया। वारदात वाले दिन कल्याण यादव को नाले के पास बुलाया गया और पत्थर व चाकू से हमला कर उसे मार दिया। यह पूरा नजारा मृतक कल्याण की पत्नी अपने बेटे के साथ के ओवर ब्रिज से अपने नाबालिग बेटे के साथ देखती रही। हत्या के बाद शव को नाले में फेंक कर भाग निकले। वारदात के बाद पुलिस ने खोजबीन करके 3 नाबालिगों और मृतक की पत्नी रोहिणी और आदित्य यादव को गिरफ्तार कर लिया है।

फेसबुक में दोस्ती कर रेप पीड़िता बोली- झांसा देकर बनाया शारीरिक संबंध

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में लॉकडाउन के दौरान एक युवक ने फेसबुक से दोस्ती कर रेप की वारदात को अंजाम दिया है। पीड़िता के मुताबिक आरोपी शादी करने का वादा किया था, फिर मुकर गया। पीड़िता धोखेबाजी से परेशान होकर शिकायत दर्ज कराई है। पूरा मामला सीएसईबी चौकी क्षेत्र का है।

पीड़िता के मुताबिक वह बिलासपुर की रहने वाली है। दोनों 2 साल से चोरी-छिपे कर मिल रहे थे। इसी बीच युवती के घर वाले उसकी शादी कहीं और करने के लिए कहने लगे। ऐसे में युवती अपने से शादी करने की बात कही, लेकिन प्रेमी गौतम ने शादी से इनकार कर दिया। युवती ने इसकी शिकायत सीएसईबी चौकी पुलिस से की। शिकायत की खबर मिलते ही युवक फरार हो गया, जिसकी पुलिस लंबे समय से तलाश कर रही थी। इसी बीच पुलिस को आरोपी के लोकेशन की जानकारी मिली। घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। चौकी प्रभारी भीमसेन यादव ने बताया कि साइबर सेल के माध्यम से युवक का लोकेशन ट्रेस किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। आरोपी ने जुर्म कबूल कर लिया है। कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

मजदूर की मौत के बाद भी नहीं लिया सबक, प्रशासन की नाक के नीचे धड़ल्ले से किया जा रहा है मुरुम खनन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जीपीएम। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में अवैध तरीके से मिट्टी मुरुम का उत्खनन का सिलसिला जारी है। तो प्रशासन सिर्फ खानापूर्ति करते नजर आ रहा है। तो खनन माफिया अपने काम को अंजाम देने से नहीं चूक रहे हैं। लगातार अवैध तरीके से मुरुम का उत्खनन जारी है।

पिछले दिनों जिले के दर्री गांव में अवैध तरीके से मुरुम की खुदाई के दौरान हादसा हो गया था। यहां खुदाई के दौरान मिट्टी का एक हिस्सा मजदूरों के ऊपर जा गिरा। जिसके नीचे दबकर एक मजदूर की मौत हो गई थी। इसके बाद भी प्रशासन का सुस्त रवैये से मिट्टी मुरुम का अवैध उत्खनन करने वाले खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। वे बेखौफ मिट्टी मुरुम की

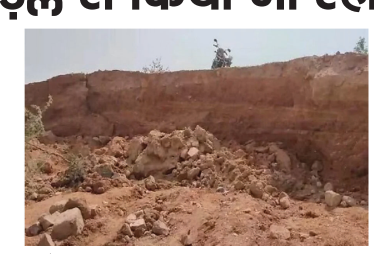

अवैध खुदाई कर मुरुम को कॉलोनाइजर के प्लांट में डालकर बराबर करने का सिलसिला लगातार जारी रखे हुए हैं। वहीं, दूसरी ओर खनिज विभाग सिर्फ खाना पूर्ति करते हुए रेत के अवैध परिवहन पर जरूर छोटी-मोटी कार्रवाई कर रहा है।

उधर, मिट्टी मुरुम के अवैध उत्खनन से बंधी बचरवार मुक्तिधाम और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रो में विशालकाय गड्ढे बन गए हैं। जिससे आने वाले बरसात के दिनों में बारिश का पानी भर जाने से कोई अप्रिय घटना घटित हो जाने का खतरा मंडरा रहा है। जिला खनिज अधिकारी सबीना खान का कहना है अवैध उत्खनन कर कॉलोनाइजर के द्वारा अपने प्लॉट में मुरुम डालने का मामला सामने आया। शिकायत मिलने के बाद खनिज विभाग की टीम भी उस जगह का निरीक्षण करने पहुंची जहां बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। साथ ही कॉलोनाइजर को भी नोटिस जारी किया गया है। उससे 7 दिन के अंदर जवाब मांगा गया है कि मिट्टी मुरुम कहां से उत्खनन कर लाया गया है। जवाब संतोषजनक नहीं होने पर विधिवत कार्रवाई की बात कही है। साथ ही नोटिस के बाद भी उसके द्वारा मिट्टी मुरुम का अवैध उत्खनन कर प्लांट में पाटने के मामले में जांच टीम मौके पर भेजकर जानकारी लिए जाने की बात कही है।

नातिन का बर्थडे केक लेने गए बुजुर्ग की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई में शुक्रवार शाम को एक 55 साल के बुजुर्ग की लाश मिली है। बताया जा रहा है कि नातिन के बर्थडे के लिए केक लेने गया था, लेकिन झाड़ियों में उसकी लाश मिली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पूरा मामला खुर्सीपार थाना क्षेत्र का है।

मृतक की पहचान जय सिंह निवासी पावर हाउस नंदिनी रोड निवासी के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही जयसिंह की पत्नी सुपेला अस्पताल पहुंची। पत्नी पार्वती (50) ने बताया कि जयसिंह सेक्टर 6 में मोची की दुकान चलाता था। उसके तीन बेटी और एक बेटा है। एक दिन पहले उसकी

कुछ तबीयत ठीक नहीं थी। शुक्रवार को उसकी बेटी के बेटी (नातिन) का जन्म दिन था।

पत्नी ने बताया कि जयसिंह बोला था कि वह नातिन के लिए बर्थडे केक लाने जा रहा है। इस पर पार्वती ने उसे कहा कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है। गर्मी भी बहुत अधिक है। घर में आराम करो। जयसिंह बोला कि वो कुछ देर में वापस आ जाएगा। सुबह 11 बजे घर से निकला जयसिंह जब शाम तक घर नहीं लौटा परिजनों ने उसकी तलाश की। इसी दौरान शुक्रवार शाम 6 बजे खुर्सीपार गेट के पास स्थित झाड़ियों में एक युवक का शव मिला।

खुर्सीपार पुलिस कर रही मामले की जांच

खुर्सीपार पुलिस ने जयसिंह की पत्नी को वहां बुलाया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को मर्च्यूरी में भेजा है। परिवार वालों ने किसी भी प्रकार की हत्या या अन्य किसी का आरोप नहीं लगाया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह का पता चल पाएगा। फ्लिहाल खुर्सीपार पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

नाबालिक को घर में अकेली पाकर मेहमान ने किया बलत्कार

जांजगीर चांपा (ए.)। अकलतरा थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि लड़की घर पर अकेली थी। आरोपी उसके घर मेहमानी में आया था। घर में अकेली देखकर उसने नाबालिग लड़की के मुंह को चुनरी से बांध दिया। कमरे में ले जाकर आरोपी युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के परिजनों ने मामले की शिकायत देकर पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस को दी तहरीर में पीड़िता ने बताया कि गुरुवार को वह अपने घर पर अकेली थी। माता-पिता दोनों काम पर चले गए थे। सुबह 10 बजे राजेश लहरे घर मेहमानी में आया हुआ था। इस बीच दोपहर करीबन 2.30 बजे घर में कोई नहीं होने का फायदा उठाकर घर के दरवाजे को बंद कर दिया और उसके साथ जबरदस्ती करने लगा। इस बीच पीड़िता ने चिल्लाने की कोशिश की, लेकिन आरोपी राजेश लहरे ने उसके मुंह को चुनरी से बंद कर दिया। हाथ को पकड़ कर उसे कमरे में ले गया। पीड़िता ने भागने की कोशिश की, लेकिन वह खुद को बचा न सकी। पीड़िता ने इसकी सूचना डायल 112 को देनी चाही, लेकिन आरोपी ने उसका फोन छीन लयिा और वहां से फरार हो गया।

अकलतरा थाने में आरोपी राजेश लहरे (20) वर्ष के खिलाफ धारा 342,376,394, और 4,6 पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तलाश की जारी थी। इस दौरान सूचना मिली की आरोपी राजेश लहरे भागने के लिए बिलासपुर रेल्वे स्टेशन पर है। सूचना मिलने पर घेराबंदी की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया। वहीं, लूटा हुआ एक मोबाइल फोन की भी बरामद किया गया है। आरोपी राजेश लहरे को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

दुर्ग में सड़क किनारे मिली महिला की लाश, शिनाख्त में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग के नगपुरा भेड़सर रोड के किनारे एक अज्ञात महिला का शव मिला है। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल के मर्च्यूरी में रखवा दिया है। वहीं अभी तक शव की शिनाख्त नहीं हुई है। पुलिस ने फोटो जारी कर लोगों से जानकारी देने की अपील की है। मामला पुलगांव थाना और नगपुरा चौकी का है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार को पुलगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत नगपुरा भेड़सर रोड के किनारे रामबाई के खेत में एक अज्ञात महिला की लाश मिली है। महिला की उम्र लगभग 40 वर्ष है। नगपुरा प्रभारी संतोष साहू ने बताया कि महिला के शव के पास में लाल रंग के कपड़े और बैगनी रंग की चप्पल पड़ी हुई थी। पास में ही मोतीनुमा माला, लाल रंग के रेशमी धागे में ताबीज भी पड़ा हुआ था।

महिला के दोनों पैरों पर गोदना के निशान बने हुए हैं। वह बाएं हाथ से दिव्यांग है। उसका पंजा नहीं है। दाहिने हाथ में लाल नीले रंग की चूड़ियां पहनी हुई थी। पुलिस ने महिला की शिनाख्ती के लिए लोगों से अपील की है।

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार
बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

हमले में पूर्व जनपद अध्यक्ष की मौत: हाइवे पर बदमाशों ने चलती कार पर किया था पथराव

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में जांजगीर जिले के रहने वाले पूर्व जनपद अध्यक्ष और ट्रांसपोर्टर की बदमाशों ने हत्या कर दी। 23 मई की रात वह अपनी कार से परिवार के साथ घर लौट रहे थे, तभी बिलासपुर-रायगढ़ नेशनल हाइवे पर बदमाशों ने पत्थर से हमला कर दिया। बुधवार को उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने लूटपाट करने के लिए पथराव किया था, जिससे वह बुरी तरह से जख्मी हो गए थे। घटना सिरगिट्टी थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के अनुसार जांजगीर-चांपा जिले के रेमंड परसदा निवासी बालमुकुंद वर्मा ट्रांसपोर्टिंग का काम करते हैं। 23 मई की शाम 6 बजे वे पूर्व जनपद अध्यक्ष रामचंद्र चंद्राकर और उनके परिवार के सदस्यों को लेकर

तखतपुर में रहने वाले रिश्तेदार के घर गए थे। वहां पर भोजन के बाद वे परसदा लौट रहे थे।

बाइपास रोड पर हुई वारदात

सकरी से वे जांजगीर-चांपा बाइपास होते हुए मस्तूरी की ओर जा रहे थे, तभी सिलपहरी के पास सड़क किनारे खड़े युवकों ने उनकी कार पर पथराव कर दिया। कार का शीशा टूट गया। पत्थर लगने से कार के बीच सीट पर बैठे रामचंद्र के सिर में गंभीर चोटें आईं। इस दौरान कार चला रहे बालमुकुंद ने स्पीड कम किया तो युवक अपनी बाइक से सृजन फैक्ट्री की तरफ भाग गए।

इलाज के दौरान हुई मौत, अब हत्या का केस दर्ज

इस घटना में घायल रामचंद्र को तोरवा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई थी। 6 दिन तक चले उपचार के बाद बुधवार को उनकी मौत हो गई। इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया। ऋद्ध भारती मरकाम ने बताया कि मामले में दो आरोपियों को हत्या के प्रयास में जेल भेजा गया है। घायल की मौत के बाद अब आरोपियों पर हत्या का केस दर्ज किया जाएगा।

पति ने सुसाइड किया, तीन दिन बाद पत्नी ने दी जान

■ **रायगढ़ में पहले जहर खाया, बच गई तो अस्पताल के वॉशरूम में लगाई फांसी**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में गुरुवार को एक महिला ने जहर खा लिया। आनन-फानन में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन जब जहर से मौत नहीं हुई तो उसने अस्पताल के वॉशरूम शावर में फंदा लगाकर फांसी लगा ली। तीन दिन पहले पति ने भी ससुराल में ही फांसी लगाकर सुसाइड किया था। घटना चक्रधर नगर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक पुसौर ब्लॉक के ग्राम छिछोर की रहने वाली दीपिका सारथी (20 वर्ष) को जहर खाने के बाद 27 मई की शाम को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया था, जहां हालत बिगड़ने पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां इलाज से उसकी जान तो बच गई, लेकिन बाद में उसने फांसी लगाकर जान दे दी। गुरुवार देर रात रायगढ़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल के वॉशरूम में उसने शावर पर फंदा बनाया और फांसी पर लटक गई। सुबह इसकी जानकारी परिजन को दी गई। वहीं, सूचना मिलते ही चक्रधर नगर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मौके से शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

दुर्ग रेंज के जिलों में तैनात होंगे फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, क्राइम सुलझाने में होगी आसानी

पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज राम गोपाल गर्ग ने रेंज के 64 फिगर प्रिंट एक्सपर्ट को सौंपा सर्टिफिकेट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग रेंज के जिलों में अब फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट तैनात होंगे। शुक्रवार को दुर्ग रेंज के आईजी रामगोपाल गर्ग ने प्रशिक्षण के बाद 64 कर्मियों को सर्टिफिकेट सौंपा। दुर्ग रेंज के जिलों में फिंगर प्रिंट एक्सपर्टस के तैनात होने से क्राइम सुलझाने में पुलिस को त्वरित सहायता मिलेगी।

बता दें पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर एवं पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज राम गोपाल गर्ग के आदेशानुसार, पुलिस अधीक्षक दुर्ग जितेन्द्र शुक्ला के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा के मार्गदर्शन में पुलिस लाइन के सभागार में 05 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में रेंज के जिले बालोद एवं दुर्ग के 64 अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए। कार्यशाला के प्रशिक्षक फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट कमलेश्वर सिंह व धर्मेंद्र कुमार भारती रहे। इनके द्वारा गिरफ्तार व्यक्तियों, संदेहियों एवं निगरानी बदमाशों के फिंगर प्रिंट तैयार करने के संबंध में एवं घटना स्थल में फिंगर प्रिंटों को सुरक्षित करने के तरीके, अज्ञात मृतक के टेन प्रिंट स्लिप का वेरिफिकेशन, नेफिस अपलोडिंग, फूट प्रिंट एवं नवीन तकनीक के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया।

साक्ष्य एकत्र करने में निभाएंगे महत्वपूर्ण भूमिका

पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज रामगोपाल गर्ग के द्वारा कार्यशाला के समापन पर कहा कि इस कार्यशाला के आयोजन बाद आप सभी फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट बन गए है जो कि अब क्राइम सीन वेरिफिकेशन में अपराधी को साइंटिफिक तरीके से साक्ष्य एकत्र कर सजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। फिंगर प्रिंट एनालिसिस (विश्लेषण) करने में मदद मिलेगी, साथ ही क्राइम सीन पर प्रिंट के संग्रह और उसके वेरिफिकेशन में काफी आसानी होगी। इस पहल से मामलों को सुलझाने में भी पुलिस को काफी मदद मिलेगी। तत्पश्चात उनके द्वारा उपस्थित सभी फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

आरोपी की मिल सकेगी त्वरित जानकारी

इस कार्यशाला के माध्यम से फिंगर प्रिंट सुरक्षित रखने से आरोपी के बारे में त्वरित जानकारी मिल सकेगी। पहले आरोपी का फिंगर प्रिंट मेनुअल लिया जाता था एवं मिलान भी मेनुअल किया जाता था। अब आनलाईन फिंगर प्रिंट लिया जाकर उसकी मैचिंग भी आनलाईन किया जाएगा। सभी अधिकारी, कर्मचारियों को साइंटिफिक विवेचना हेतु फिंगर प्रिंट के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। संचालक फिंगर प्रिंट ब्यूरो पुलिस मुख्यालय रायपुर लिनुस किस्पोट्टा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग प्रशिक्षु चिराग जैन, प्रशिक्षु अक्षय प्रमोद सावद्रा, उप पुलिस अधीक्षक अलेक्जेंडर किरो, रक्षित निरीक्षक दुर्ग नीलकंठ वर्मा सहित दुर्ग रेंज के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

खास - खबर

भीषण गर्मी के कारण आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन के समय में परिवर्तन

दुर्ग। भीषण गर्मी के कारण बच्चों के स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन के समय में परिवर्तन किया गया है। छत्तीसगढ़ शासन महिला बाल विकास विभाग द्वारा सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन का समय प्रातः 07 बजे से 09 बजे तक किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। ज्ञात हो कि वर्तमान में आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन की अवधि 04 घण्टे प्रातः 07 से 11 बजे है। जिसे आदेशानुसार अब घटाकर 02 घण्टे प्रातः 07 से 09 बजे किया जाएगा। गर्मी कम होते ही पुनः 01 जुलाई तक आंगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन प्रातः 07 बजे से 11 बजे कर दिया जाएगा। 01 जुलाई के पश्चात् आंगनबाड़ी केन्द्र संचालन का समय यथावत् 09.30 बजे से 03.30 बजे तक कर दिया जायेगा।

सेवानिवृत्त के 145 प्रकरण पर पेंशन ग्रेच्युटी भुगतान आदेश जारी

दुर्ग। दुर्ग संभाग अंतर्गत 7 जिलों के विभिन्न आहरण अधिकारियों से सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों के 201 पेंशन प्रकरण प्राप्त हुए। जिसमें से 145 प्रकरण पर पेंशन ग्रेच्युटी भुगतान आदेश जारी किया गया। 45 प्रकरण इसी माह 31 मई को सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों का है। छत्तीसगढ़ राज्य के सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों को शासन के सेवानिवृत्ति लाभ के अंतर्गत पेंशन एवं ग्रेच्युटी का भुगतान संचालनालय पेंशन एवं भविष्य निधि के अधीन संचालित संभागीय कोष लेखा पेंशन कार्यालय द्वारा किया जाता है। विगत दो माह से संचालक, पेंशन एवं भविष्य निधि महादेव कावरे (आई.ए.एस) द्वारा प्रति सप्ताह शुक्रवार को विडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से राज्य के सभी संयुक्त संचालकों को पेंशन प्रकरणों के त्वरित निराकरण की समीक्षा की जाती है। समीक्षा के दौरान दिये गये निर्देश के तहत तकनीकी समस्याओं से संबंधित समाधान डॉ. ए. के. सिंह, अपर संचालक, संचालनालय के नेतृत्व में टीम द्वारा किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वर्ष 2025 के लिए आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। भारत सरकार, महिला एवं बाल विकास, मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वर्ष 2025 के लिए ऑनलाईन आवेदन वेबसाईट में 31 जुलाई 2024 तक लिये जाएंगे। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बच्चों को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित कराने हेतु प्रतिवर्ष भारत सरकार, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किया जाता है। उक्त पुरस्कार हेतु जो बच्चें बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण के क्षेत्र में असाधारण पहचान हासिल की है तथा कला एवं संस्कृति और नवाचार जो राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता के पात्र है।

दुर्ग में मतगणना की तैयारी

कलेक्टर चौधरी ने ली राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। लोकसभा निर्वाचन 2024 अतंर्गत 04 जून को होने वाले मतगणना को लेकर कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी बजरंग दुबे एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में आयोजित इस बैठक में लोकसभा निर्वाचन के दौरान राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों को मतगणना स्थल एवं मतगणना अभिकर्ता की नियुक्ति के संबंध में दिशा-निर्देश दिए गए।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने मतगणना स्थल पर किये गए व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुये बताया कि श्री शंकराचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज जुनवानी भिलाई में मतगणना स्थल पर प्रवेश के लिए अधिकृत प्रवेश पत्र की व्यवस्था की गई है। मतगणना परिसर पर बिना पास के प्रवेश नही दी जायेगी। मतगणना कक्ष पर मोबाइल सभी के लिए वर्जित है। मतगणना स्थल पर सम्पूर्ण गतिविधियों की वीडियो रिकार्डिंग की जायेगी। प्रत्याशी, मतगणना एजेंट, मतगणना कर्मी सहित किसी भी अधिकारी या कर्मचारी या मीडिया प्रतिनिधि मतगणना स्थल में मोबाइल फोन सहित कोई भी इलेक्ट्रानिक गैजेट, स्मार्ट वॉच, पेन ड्राइव, पेन, तम्बाकू, पान, सिगरेट नहीं ले जा सकेंगे। प्रतिनिधियों के लिए मतगणना केन्द्र में एक मीडिया सेंटर भी होगा जबकि विधानसभावार बनाए गए मतगणना कक्ष में प्रवेश हेतु निर्वाचन अभिकर्ताओं को अलग-अलग रंगों के पास के आधार पर प्रवेश दी जाएगी।

मतगणना अभिकर्ताओं की नियुक्ति के लिए समय-सीमा

निर्वाचन आयोग ने निर्देश दिया है कि सभी निर्वाचन क्षेत्रों में चाहे निर्वाचन लड़ रहे अभ्यर्थियों की संख्या कुछ भी हो, निर्वाचन लड़ रहे अभ्यर्थियों को मतगणना के लिए नियत तारीख के तीन दिवस पूर्व शाम 5 बजे तक रिटर्निंग ऑफिसर को ऐसे अभिकर्ताओं की फोटो सहित सूचियां प्रस्तुत करनी होगी। रिटर्निंग ऑफिसर बताए गए समय के बाद प्राप्त नियुक्ति पत्र को स्वीकार नही करेंगे। प्रथम पंक्ति में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दलों के अभ्यर्थियों के मतगणना अभिकर्ता, द्वितीय पंक्ति में मान्यता प्राप्त राज्यीय दलों के अभ्यर्थियों के मतगणना अभिकर्ता बैठ सकेगा। इसी तरह तीसरे स्थान पर अन्य राज्यों के मान्यता प्राप्त राज्यीय दलों के अभ्यर्थियों के मतगणना अभिकर्ता, चौथे स्थान पर पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अभ्यर्थियों के मतगणना अभिकर्ता और पांचवे स्थान पर निर्दलीय अभ्यर्थियों के मतगणना अभिकर्ता बैठ सकेंगे।

इस नियम के तहत होगी नियुक्ति रद्द

नियुक्ति को रद्द निर्वाचन संचालन नियम 1961 के प्रारूप 19 में किया जाएगा और यह उस समय से लागू होगा जिस समय यह रिटर्निंग ऑफिसर के पास दाखिल किया जाता है। अभ्यर्थी किसी ऐसे मतगणना अभिकर्ता जिसकी नियुक्ति को वापस लिया गया है, के स्थान पर दूसरे मतगणना अभिकर्ता को मतगणना प्रारंभ होने से पहले किसी भी समय नियुक्त करने के लिए प्राधिकृत है। मतगणना प्रारंभ हो जाने के बाद किसी नए मतगणना अभिकर्ता की नियुक्ति नही की जा सकती है।

मतगणना हॉल के अंदर आचरण

नियुक्ति पत्र, पहचान पत्र और घोषणा के सत्यापन के बाद रिटर्निंग ऑफिसर मतगणना अभिकर्ता को मतगणना हॉल में प्रवेश करने की अनुमति देगा। मतगणना अभिकर्ता और दूसरे व्यक्तियों को मतगणना प्रक्रिया के दौरान मतगणना हॉल से बाहर जाने की अनुमति नही होगी। मतगणना अभिकर्ताओं को अपने उपयोग के लिए मतगणना कक्ष के अंदर पीठासीन अधिकारी द्वारा मतदान समाप्ति के बाद मतदान अभिकर्ता को दी गई 17सी की डुप्लिकेट कापी, पेन, पेंसिल, सादा कागज, नोट पेड ले जाने की अनुमति है।

प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए मतगणना अभिकर्ताओं की संख्या

मतगणना अभिकर्ताओं जो अभ्यर्थी द्वारा नियुक्त किए जा सकेंगे, की अधिकतम संख्या 15 से अधिक नही होनी, क्योकि मतगणना मेज की संख्या भी सामान्यतः रिटर्निंग आफिसर की मेज सहित 15 से अधिक नही होती है। मतगणना अभिकर्ता की नियुक्ति स्वयं अभ्यर्थी द्वारा या उसके निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा की जाएगी, ऐसे मतगणना अभिकर्ता की नियुक्ति और घोषणा निर्वाचन संचालन नियम 1961 के प्रारूप 18 में की जाएगी। मतगणना अभिकर्ता का नाम एवं पता उस प्रारूप में भरा जाएगा तथा अभ्यर्थी या उसका निर्वाचन अभिकर्ता व्यक्तिगत रूप से उस प्रारूप पर हस्ताक्षर करेगा। सभी मामलों में अभिकर्ताओं के फोटो के साथ ऐसे प्रारूप की दो प्रतियां तैयार की जाएगी एवं हस्ताक्षरित की जाएंगी, उस प्रारूप की एक प्रति अभ्यर्थी/निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा रिटर्निंग ऑफिसर को अग्रेषित की जाएगी। केन्द्र या राज्य सरकार का वर्तमान मंत्री, संसद या विधानमण्डल का सदस्य, किसी निगम का मेयर या नगर पालिक, जिला परिषद, पंचायत संघ आदि के अध्यक्ष, केन्द्रीय पीएसयू, राज्य पीएसयू, सरकारी निकाय, निगम के अध्यक्ष तथा सदस्य, सरकार से मानदेय प्राप्त करने वाला व्यक्ति अथवा सरकारी, सरकार से सहायता प्राप्त संस्थाओं में आंशिक रूप से कार्यरत व्यक्ति, सरकारी सेवा में कार्यरत व्यक्ति को मतगणना अभिकर्ता नियुक्त नही किया जा सकता।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज ने नशा मुक्ति चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय तथा राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के मेडिकल विंग द्वारा भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर नशा मुक्ति चित्र प्रदर्शनी लगाई गई।

भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन में आयोजित प्रदर्शनी का सांसद विजय बघेल, नगर निगम के (पी आर ओ) जन संपर्क अधिकारी अजय शुक्ला, भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन के वाणिज्यिक अधीक्षक, ब्रह्माकुमारी इंद्राणी दीदी द्वारा दीप प्रज्वलन कर विधिवत शुभारंभ किया गया।

प्रातः 7:00 बजे से ही यह नशा मुक्ति चित्र प्रदर्शनी भिलाई पॉवर स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्रीगण के आकर्षण का केंद्र बनी रही। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल जी ने ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि नशा, तंबाकू और शराब के सेवन से होने वाले नुकसान को सभी भली भांति जानते हैं, लेकिन इसे छोड़ने की जो इच्छा शक्ति, आत्म बल चाहिए वह उनमें नहीं होता है इस कारण वह इस नशे को नहीं छोड़ पाते, लेकिन ब्रह्मकुमारीज जैसी अध्यात्मिक संस्था जो प्रतिदिन राजयोग मेडिटेशन के द्वारा नशे की बुराइयों को दूर करने में सहायक होती है, उसी क्रम में यह आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी वैज्ञानिक एवं अध्यात्मिक रूप से बहुत सुंदर सभी के लिए लाभदायक है।

नगर निगम से आए जनसंपर्क अधिकारी अजय शुक्ला जी ने प्रदर्शनी की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह आध्यात्मिक प्रदर्शनी लोगों में जागृति लाने का कार्य करेगी मैं ब्रह्माकुमारी संस्था को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं तथा रात्रि तक इस नशा मुक्ति प्रदर्शनी से बड़ी संख्या में लोगों को नशे के दुष्प्रभाव को जानकर इससे लाभान्वित होंगे। भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी ने इस नशा मुक्ति आध्यात्मिक प्रदर्शनी का उद्देश्य बताते हुए कहा कि आज लोगों में जागृति आई है कि नशे के क्या दुष्प्रभाव होते हैं, तथा हर एक इससे छूटने का प्रयास कर रहा है, सिर्फ उसे सही मार्गदर्शन, आत्म बल, दृढ़ इच्छा शक्ति,श्रेष्ठ संकल्प की आवश्यकता है। कि मैं परमात्मा की श्रेष्ठ संतान हूं। अंत में उपस्थित सभी ने अंतर्राष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस के अवसर पर संकल्प किया की धूम्रपान ,तम्बाकू का सेवन स्वयं के लिए, परिवार के लिए, विश्व के लिए नुकसानदायक है।

विधायक चंद्राकर ने सिद्ध शक्ति पीठ तारादेवी का दर्शन कर आशिर्वाद प्राप्त किया

दुर्ग। झारखंड प्रवास के दौरान आज कुछ समय निकाल कर पश्चिम बंगाल के बीरभूमि ज़िले में स्थित प्रसिद्ध श्री शक्तिपीठ, तारापीठ माता तारा जी के मंदिर पहुँचकर शक्ति स्वरूपा देवी माँ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। माँ से देश-प्रदेश व क्षेत्र में सुख, समृद्धि व खुशहाली की मंगलकामना की।

इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने बताया कि पौराणिक मान्यताएं अनुसार 51 शक्तिपीठों में से 5 शक्तिपीठ पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में स्थित हैं। ये बकुरेश्वर, नालहाटी, बन्दीकेश्वरी, फुल्लोरा देवी और तारापीठ के नाम से विख्यात है। इनमें तारापीठ सबसे प्रमुख धार्मिक स्थल और सिद्धपीठ माना जाता हैं। पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिला में रामपुरहाट से 8 किलोमीटर की दूरी पर द्वारका नदी के तट पर मां तारा का प्रसिद्ध सिद्धपीठ स्थित है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस महातीर्थ में माता सती के दाहिनी आंख की पुतली का तारा गिरा था। इसलिए इस धार्मिक स्थल को नयन तारा भी कहा जाता हैं और इसी को लेकर मंदिर का नाम तारापीठ पड़ा। इसी नाम पर इस स्थान को तारापीठ कहा जाने लगा। इशारदीय नवरात्र में नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्र पर्व में श्रद्धालु बड़ी संख्या में यहां माता के दर्शनों के लिए आते हैं। जबकि पूरे साल दो बार आरती की जाती है. विजया दशमी के दो दिन बाद त्रयोदशी के दिन मां तारा को गर्भ गृह से बाहर मंदिर परिसर में लाकर उनकी पूजा की जाती हैं।

एसएमएस 3 के सीवी-2 कास्टर में पहली रेल ब्लूम की सीक्वेंस कास्टिंग सफल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुचारू कमीशनिंग की दिशा में आगे बढ़ते हुए, सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की मोडेक्स यूनिट स्टील मेल्टिंग शॉप 3 (एसएमएस-3) के सीवी-2 कास्टर ने 30 मई 2024 को कास्टिंग अनुक्रम में तीन रेल ब्लूम हीट की सफलतापूर्वक कास्टिंग करके एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार कर लिया।

कास्टिंग की पूरी प्रक्रिया राइट्स के अधिकारियों की मौजूदगी में की गई। इन्होंने आर 260 ग्रेड रेल ब्लूम की कास्टिंग के दौरान सभी महत्वपूर्ण गतिविधियों का बारीकी से निरीक्षण किया। इन ब्लूम्स को अब संयंत्र की यूनिवर्सल रेल मिल में सिंगल पीस में विष्व की सबसे लंबी 130 मीटर रेल में रोल किया जाएगा। भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता, कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक एस मुखोपाध्याय और संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने सीवी 2 कास्टर से पहले रेल ब्लूम अनुक्रम की सफल कास्टिंग के लिए एसएमएस 3 की टीम और संबंधित शॉप्स और एजेंसियों के सदस्यों को बधाई दी है। हाल ही में सीवी 2 कास्टर को कॉम्बी-कास्टर में परिवर्तित किया गया था। विदित हो कि 14 मई 2024 को एसएमएस 3 के सीवी 2 कास्टर से हॉट ट्रायल के दौरान ब्लूम के पहली हीट का सफल उत्पादन किया गया था। एसएमएस 3 टीम से प्राप्त महत्वपूर्ण इनपुट के फलस्वरूप पहली हीट की सुचारू व सुरक्षित कास्टिंग संभव हुई, जिससे निर्बाध ट्रांजिषन और सफल परिणाम सुनिश्चित हुए।

8 जून 2023 को मूलतः बीम ब्लैंक कास्टर के रूप में कमीशन किए गए कास्टर सीवी 2 को फिनिशिंग मिलों द्वारा बिलेट्स और ब्लूम्स की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कॉम्बी-कास्टर में परिवर्तित किया गया।

झारखंड के बैद्यनाथ धाम में रबर मैट बिछाने विधायक रिकेश ने दिए पांच लाख रुपए, ट्रस्ट से कहा भक्तों को न हो कष्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। झारखंड के सिद्धपीठ बैद्यनाथ धाम की यात्रा पर गए विधायक रिकेश सेन ने यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए नेक पहल की है। देवघर मंदिर प्रांगण और सभी पहुंच गली मार्ग में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन द्वारा रबर मैट लगवाई जाएगी।

इसके लिए विधायक सेन ने तत्काल 5 लाख का आज भुगतान कर दिया है, साथ ही ट्रस्ट को कहा कि और रूपये लगें तो दिया जायेगा मगर भक्तगण के भाव और दर्शन लाभ में कोई भी अड़चन कत्तई न आने पाए। आपको बता दें कि 40 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद जब बाबा ने दर्शन के लिए पहली बार बुलाया तो पूजन, अभिषेक और श्रृंगार के बाद विधायक रिकेश सेन ने महसूस किया कि मंदिर प्रांगण तक पहुंचने सभी मार्ग पर पानी जमने से कीचड़नुमा गलियों से होकर श्रद्धालुओं को गुजरना पड़ता है। खासकर माताओं बहनों को खासी दिक्कत होती है नतीजतन अपने फौरी एक्शन के लिए पहचाने जाने वाले विधायक ने देवघर स्थित शासकीय और पंडों, दोनों ट्रस्ट प्रमुखों से बात कर तत्काल मंदिर प्रांगण और गलियों में रेड रबर मैट बिछवाने की अपनी इच्छा जताई। उनके इस निर्णय से ट्रस्ट और सभी पंडाओं ने सहर्ष सहमति दी। फिर क्या, विधायक सेन ने रबर मैट कंपनी के प्रतिनिधियों को मौके पर बुलवा कर वहीं इस्टीमेट बनवाया और स्वयं 5 लाख का भुगतान कर कार्य का श्रीगणेश भी करवा दिया।

पहुंचमार्ग की गलियों में कीचड़ से परेशानी

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि यहां आकर मैंने देखा कि मंदिर के पहुंच मार्ग की गलियों में अनावश्यक पानी और कीचड़ फैले रहने से दर्शनार्थियों में, खासकर महिलाओं को काफी दिक्कतें होती हैं। लोग कीचड़ से बचने अपने पैरों तक कपड़े उठाकर चलते हैं तभी मैंने तय किया कि जिस तरह हम गुरुद्वारों में अपने पैर गीले कर जैसे ही भीतर प्रवेश करते हैं तो हमें लाल रंग की एक विशेष रबर मैट बिछी हुई मिलती है। ऐसी ही मैट पूरे मंदिर प्रांगण और पहुंच मार्ग तक बिछवाने का निर्णय मैंने तत्काल लिया और कीचड़ से बचने पूरे बाबा धाम प्रांगण में रबर मैट बिछवाने का काम आज से प्रारंभ करवाया जा रहा है। दोनों ही ट्रस्ट ने सहर्ष स्वीकृति दी है और ट्रस्ट की देखरेख में बेहतरीन ढंग से पूरी गुणवत्ता के साथ यह कार्य पूरा होगा।

अब समझ आया क्यों किया इतना लंबा इंतजार

गौरतलब हो कि बचपन से हर बार बाबा बैजनाथ के दर्शन की लालसा लिए रिकेश चार दशक तक देवघर नहीं जा पाए थे। हर बार उनका प्रयास जब विफल होता तो इसे वो बाबा की इच्छा मान इंतजार की कतार में खुद को खड़ा पाते थे। आखिरकार विधायक बनने के बाद पार्टी ने उन्हें लोकसभा चुनाव में झारखंड की जिस दुमका के नाला विधानसभा का प्रभारी बना कर भेजा वहां से देवघर समीप ही था नतीजतन 40 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद जब विधायक के रूप में बाबा ने रिकेश को बुलाया तो उन्हें न केवल दर्शन लाभ मिला बल्कि सोमवार को विशेष अभिषेक और अगले प्रदोष के सोमवार को बाबा के विशेष श्रृंगार का अवसर पाकर श्री सेन अभिभूत हुए। उन्होंने कहा कि मुझे अब समझ आया कि बाबा बैजनाथ तक पहुंचने के लिए इतना लंबा इंतजार मेरे नसीब में क्यों लिखा हुआ था।

श्री सेन को ट्रस्ट और पंडा महाराज ने आश्वस्त किया कि आपकी इस पहल से जल्द यह काम पूर्ण करवाया जाएगा ताकि श्रद्धालुजनों को अब कीचड़युक्त गलियों से मुक्ति मिल सके और सभी बेहतर ढंग से दर्शन लाभ ले सकें। भारतवर्ष के झारखंड राज्य के देवघर नामक स्?थान में अवस्थित एक प्रसिद्ध मंदिर है जिसका का एक नाम वैद्यनाथ भी है, इस कारण लोग इसे 'वैद्यनाथ धाम' भी कहते हैं। यह एक सिद्धपीठ है इस लिंग को कामना लिंग भी कहा जाता हैं। यहां? देवघर में शिव का अत्यन्त पवित्र और भव्य मन्दिर स्थित है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950